डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 51 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 29 जनवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अनिवार्य शिक्षा एवं रोजगार देने के बजाय राजनीतिक पार्टियां मुफ्त की रेवड़ियाँ बांटने की घोषणा कर रही है

- देश की जनता को प्रलोभन देकर सत्ता में आना चाहती है राजनीतिक पार्टियां
- जबकि शिक्षा और स्वास्थ्य पर बजट नहीं बढ़ा रही है सरकारें

मुन्ना खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश में आम चुनाव हों या राज्यों में विधानसभा चुनाव हो, राजनीतिक पार्टीयां आजकल नगद राशि देने की घोषणा करने लगी है। यह राशि घर की महिलाओं, लड़कियों, बुजुर्ग पेंशन, किसानों आदि के खातों में नगद ऑन लाईन ट्रांसफर की जाती है। वैसे नगद राशि देने की घोषणाएं ज्यादातर चुनावों से पहले की जाती है। जिससे जनता उसको मतदान के जरिये अपना समर्थन दें। नगद राशि मिलने से महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चियों को प्रत्यक्षरूप से फायदा मिलता है और वे अपनी मर्जी से खर्च कर सकते हैं। राजस्थान की कांग्रेस सरकार में बुजुर्गों, महिलाओं आदि को पेंशन शुरू की गई थी। इसी प्रकार केंद्र की मोदी सरकार किसान सहायता निधि के नाम पर एक किसान परिवार को वर्ष में 12 हजार रूपये खाते में नगर ट्रांसफर करती है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार दिल्ली में रहने वाले परिवारों का बिजली पानी और शिक्षा का पूरा खर्च उठाती है। कर्नाटक सरकार महिला मुखिया को 2 हजार रूपये महीने नगद खाते में ट्रांसफर करती है। इसी तरह पश्चिमी बंगाल सरकार एक हजार रुपए महीने गरीब महिलाओं को नगद राशि देती है। ऐसी घोषणा करने वाली पार्टियों को चुनाव में राजनीतिक लाभ मिलता है। केजरीवाल की मुफ्त की योजनाओं को फ्री की रेवड़ी बताने वाली भाजपा अब स्वयं ऐसी घोषणाएं कर रही है। मुफ्त की योजनाओं के मामले में दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने सबको पीछे छोड़ रखा है। सोचने की बात यह है कि मुफ्त की योजनाएं एवं नगद राशि देने से देश की आर्थिक सेहत पर गलत प्रभाव पड़ता है। यदि राजनीतिक पार्टियों और नेताओं ने सत्ता में रहकर ईमानदारी से काम किया होता तो मुफ्त की योजनाओं की जरूरत ही नहीं पड़ती। लेकिन राजनीतिक पार्टिया मतदाताओं को प्रलोभन देकर ही चुनाव जीतना चाहती है। यह प्रलोभन नगद राशि का मुफ्त बिजली, पानी, दवाई और धर्म एवं जातिवाद का होता है। देश की जनता अभी इतनी परिपक्व नहीं हुई है जितनी होनी चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट नहीं बढ़ रहा है केंद्र सरकार का शिक्षा और स्वास्थ्य पर पिछले साल बजट

नहीं बढ़ा। इसी तरह देश में सभी दलों की सरकारें भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्चा नहीं बढ़ा रही हैं। इसलिए देश में शिक्षा का प्रतिशत बहुत धीमी गति से बढ़ रहा है शिक्षित नहीं होने और कम शिक्षित होने के कारण युवाओं को रोजगार मिलना मुश्किल होता है। ज्यादातर युवाओं को अनओर्गनाइज्ड सेक्टर में मजदूरी करनी पड़ती है। मुफ़्त योजनाओं के कारण राज्यों और केंद्र सरकार की आर्थिक हालत खराब होती जा रही है। यदि सरकारें मुफ्त की योजनाओं और नगद राशि की जगह मुफ़्त शिक्षा और रोजगार देने का इंतजाम करें, तो देश आर्थिक रूप से मजबूत एवं शिक्षित हो सकता है। मुफ्त की योजनाओं में खर्च करने के बाद सरकारों के पास जरूरी कामों और शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए पैसा ही नहीं बचता है। राजनीतिक दल मुफ़्त की योजनाओं की परंपरा चला कर देश को कमजोर कर रहे हैं। कमजोर आर्थिक स्थिति में और ठोस नीतियों के अभाव में देश कभी तरक्की नहीं कर सकता है। राजनेताओं के लिए सत्ता में आकर कुर्सी हथियाना जरूरी हो गया है, जबकि उनके लिए देश जरूरी होना चाहिए। इसलिए कहा जा सकता है कि यह मुफ्त की योजनाएं एक दिन देश को बर्बाद कर देगी।

उदयपुर में 76 वें गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह: राज्यपाल बागडे का 'आपणो राजस्थान' को अग्रणी बनाने का आह्वान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, गणमान्यजन उपस्थित रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान गणतंत्र दिवस पर अपने उद्बोधन में सभी को राष्ट्र और प्रदेश के सर्वांगीण विकास में अपनी महती जिम्मेदारी निभाने और 'आपणो राजस्थान' को अग्रणी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सीमाओं पर चौकस प्रहरियों को नमन करते हुए भारत को सशक्त, स्वाभिमानी और समृद्ध राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में सभी के योगदान को महती बताया।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस महान् संविधान निर्माताओं को याद करने का अवसर है। संविधान निर्माताओं ने विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान हमें सौंपा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इस पर हमें गर्व है। हमारी सफल प्रजातांत्रिक व्यवस्था ने विश्व के कई देशों को लोकतांत्रिक मार्ग का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने राजस्थान में पिछले एक वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में हुए अभूतपूर्व विकास और कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि एक वर्ष में राजस्थान सरकार आमजन की आकांक्षाओं पर खरी उतरी है।

'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्पों को धरातल पर तेजी से मूर्त रूप दिया जा रहा है।राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि वह देश में शुचिता और सुशासन के प्रतीक हैं। उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र के रूप में पुनर्स्थापित किया। उनकी देन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से देश के लाखों गांव सड़कों के जरिए विकास की मुख्यधारा में शामिल हुए। वहीं, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना से देश के चारों कोनों को सड़कों के मजबूत जाल से जोड़ा गया। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे विकास पुरूष अटल जी की जन्म शताब्दी पर हम उन्हें नमन करते हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार प्रदेश को सुशासन का मॉडल स्टेट बनाने की दिशा में संकल्पित है। उन्होंने गणतंत्र दिवस के पुनीत अवसर पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि देश एवं प्रदेश के सर्वांगीण विकास में भागीदारी निभाएं और 'आपणो राजस्थान' को अग्रणी बनाएं। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह राज्यपाल ने राजस्थान के दो अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) को राष्ट्रपति पुलिस पदक और 15 अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस पदक से सम्मानित भी किया।

ISRO ने GSLV-F15 से भेजा नेविगेशन सैटेलाइट

ऑर्बिट में स्थापित, इससे रीजनल नेविगेशन क्षमता बढ़ेगी; सतीश धवन सेंटर से 100वीं लॉन्चिंग

इंडियन स्पेस एजेंसी श्रीहरिकोटा से GSLV-F15 के जरिए NVS-02 सैटेलाइट लॉन्च किया। जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल 29 जनवरी को सुबह 6:23 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी। इसरो का यह 100वां लॉन्चिंग मिशन है।

ISRO ने बताया कि NVS-02 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया है। यह सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम का हिस्सा है, जो भारत में GPS जैसी नेविगेशन सुविधा को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

यह सिस्टम कश्मीर से कन्याकुमारी, गुजरात से अरुणाचल तक का हिस्सा कवर करेगा। साथ ही साथ कोस्टल लाइन से 1500 किमी तक की दूरी भी कवर होगी। इससे हवाई, समुद्री और सड़क यात्रा के लिए बेहतर नेविगेशन हेल्प मिलेगी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन- इसरो (ISRO) की स्थापना 15 अगस्त 1969 को की गई थी। इसक पहला मिशन SLV-3 E1/ रोहिणी टेक्नोलॉजी पेलोड के जरिए 10 अगस्त 1979 को लॉन्च किया गया था। तब से 30 दिसंबर 2024 तक SHAR लॉन्चिंग व्हीकल के जरिए 99 मिशन लॉन्च कर चुका है।

NVS-02 की खासियत- एटॉमिक वॉच, वजन 2250 किलोग्राम

नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) भारत का इंडिपेंडेंट रीजनल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम है। जिसे भारतीय यूजर को सही पोजीशन, वेलॉसिटी और टाइम (PVT) सर्विस देने के लिए

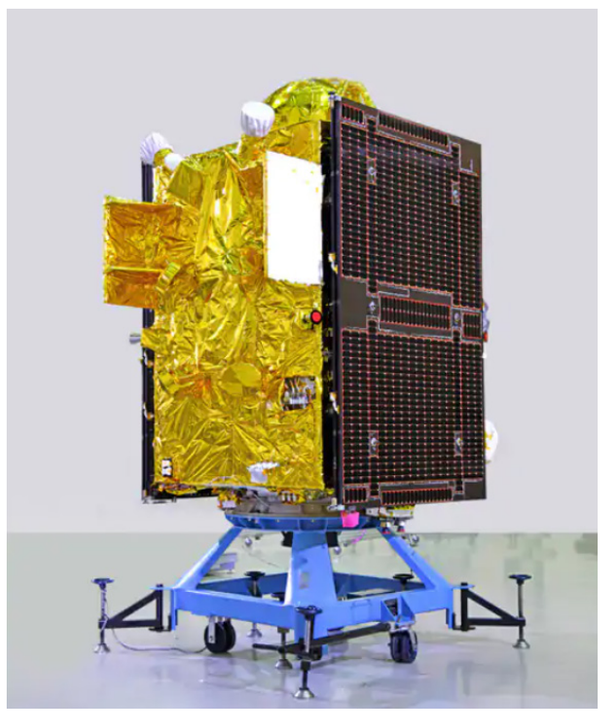

डिजाइन किया गया है। NVS-01/02/03/04/05 सैटेलाइट्स को इन्हीं सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।

NVS-02 इसी NVS सीरीज का दूसरा सैटेलाइट है। इसका वजन 2250 किलो है और पावर हैंडलिंग क्षमता 3 किलोवाट है। NVS-02 सही और सटीक समय का अनुमान लगा सके, इसके लिए इसमें स्वदेशी और आयात की गई रुबिडियम एटॉमिक घड़ियों को लगाया गया है।

लॉन्चिंग से करीब 19 मिनट 10 सेकंड के बाद NVS-02 अलग होगा। यह पृथ्वी से करीब 323 किमी ऊपर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित होगा। इसका जीवनकाल लगभग 12 साल है।

नाविक भारतीय नेविगेशन सिस्टम, इसे भारत का GPS भी कहते हैं

नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) भारत का अपना नेविगेशन सिस्टम है। इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने डेवलप किया है। यह एक ऐसी तकनीक है जो भारत और इसके आसपास के क्षेत्रों में सटीक दिशा, स्थान और समय की जानकारी देने के लिए काम करती है। इसे आमतौर पर भारत का अपना GPS कहा जाता है।

नाविक 7 सैटेलाइट्स का समूह है, जो मिलकर भारत और इसके आसपास के क्षेत्रों को नेविगेशन सर्विस प्रदान करते हैं। ये पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हैं और किसी भी स्थान की स्थिति (लंबाई और चौड़ाई) और समय की सटीक जानकारी देते हैं। ये L5 और S बैंड फ्रीक्वेंसी में सिग्नल भेजते हैं।

भारत की रीजनल नेविगेशन प्रणाली NavIC, केवल भारत और इसके 1,500 किमी तक काम करती है, इसकी सटीकता 5 मीटर है। जबकि अमेरिका की ग्लोबल नेविगेशन प्रणाली GPS पूरी दुनिया में काम करती है। इसकी सटीकता 20-30 मीटर है।

अब जानिए सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल GSLV-F15 के बारे में

जीएसएलवी-एफ15 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) की 17वीं उड़ान और स्वदेशी क्रायो स्टेज वाली 11वीं उड़ान है। यह स्वदेशी क्रायोजेनिक स्टेज वाली जीएसएलवी की 8वीं ऑपरेशनल उड़ान है। GSLV-F15 की ऊंचाई 50.9 मीटर है। इसका कुल वजन 420.7 टन है। GSLV-F15 सैटेलाइट NVS-02 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करेगा।

भारत अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सक्सेसफुली डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन ही ऐसा करने में सफल रहे हैं। 16 जनवरी को डॉकिंग एक्सपेरिमेंट को पूरा किया गया। इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से रात 10 बजे स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन लॉन्च किया था। इसके तहत PSLV-C60 रॉकेट से दो स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी से 470 किमी ऊपर डिप्लॉय किए गए।

उर्दू माध्यम विद्यालयों को हिंदी माध्यम विद्यालयों में मर्ज किया, विरोध शुरू

जोधपुर/अजमेर। राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा उर्दू माध्यम के विद्यालयों को हिंदी या अंग्रेजी में मर्ज करने के निर्णय के खिलाफ जोधपुर और अजमेर में व्यापक विरोध प्रदर्शन चल रहा है। हाल ही में सरकार ने जीरो एडमिशन और कम छात्रों वाले लगभग 450 स्कूलों को बंद या आस-पास के स्कूलों में समाहित करने का फैसला लिया है, जिसमें कई उर्दू माध्यम विद्यालय शामिल हैं। जोधपुर में बालिकाओं ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर अपना विरोध दर्ज कराया, वहीं अब अजमेर में भी इसी तरह का आंदोलन देखने को मिल रहा है। वहां की कोट स्थित दो उर्दू स्कूलों को सामान्य स्कूलों में मर्ज करने के निर्णय ने स्थानीय समुदाय में असहमति पैदा कर दी है। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता और अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन सौंपकर इस कदम का विरोध किया है। उर्दू माध्यम के विद्यालयों में लगभग 300 छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। रलावता ने कहा कि 1941 से चल रहे इन विद्यालयों को अचानक हिंदी माध्यम में मर्ज करना गलत है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि उर्दू माध्यम विद्यालयों का अस्तित्व बनाए रखा जाए, अन्यथा यह छात्रों और उनके भविष्य पर नकारात्मक असर डालेगा। अभिभावकों का मानना है कि इस फैसले से उनके बच्चों की पढ़ाई और सांस्कृतिक पहचान पर गहरा असर पड़ेगा। कक्षा आठ में पढ़ने वाली बुशरा बानो ने बताया कि वह विषय ज्ञान उर्दू में ले रही हैं और परीक्षा में सामान्य विषय पर प्रश्न आने पर उन्हें कठिनाई होगी। शिक्षिका शबाना खान ने भी अपनी चिंता जाहिर की और कहा कि बच्चों के लिए उर्दू में पढ़ाई करना कठिनाई भरा होगा।

स्थानीय निवासियों और शिक्षकों ने मांग की है कि सरकार अपने निर्णय पर पुनर्विचार करे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक पहचान और भाषाई अधिकार का प्रश्न भी है। अगर सरकार इस फैसले को वापस नहीं लेती, तो दुष्परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। राजस्थान में उर्दू स्कूलों को हिंदी में तब्दील करने के खिलाफ उठता यह आंदोलन न केवल शिक्षा के अधिकार की बात कर रहा है, बल्कि यह सांस्कृतिक और सामाजिक साक्षरता का भी प्रश्न बनता जा रहा है। यदि सरकार ने जल्द ही इस मुद्दे का समाधान नहीं किया, तो यह मामला राजनीतिक विवाद का कारण बन सकता है।

1944 से चले रहे हैं उर्दू में स्कूल

राजकीय प्राथमिक उर्दू बालिका विद्यालय की शिक्षिका शबाना खान ने बताया कि वह सरकार के आदेश के साथ है। मगर उनके द्वारा शुरू से ही उर्दू विषय में बच्चों को पढ़ाया गया है। 1944 आजादी से पहले से ही उर्दू माध्यम में यह स्कूल चल रही है। पहले यह प्राइमरी स्कूल थी, जिसे क्रमोन्नत कर मिडिल बना दिया। अब उनके द्वारा पढ़ाए जा रहे बच्चों के सामने असमंजस की स्थिति है कि आने वाले बोर्ड परीक्षा में फॉर्म किस भाषा में भरा जाएगा।स्थानीय निवासियों, शिक्षकों और छात्रों की मांग है कि सरकार उर्दू माध्यम स्कूलों को मर्ज करने के निर्णय पर पुनर्विचार करे। यह केवल एक शैक्षणिक मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और भाषाई अधिकार का सवाल है। यदि यह फैसला वापस नहीं लिया गया, तो यह राज्य में लंबे समय तक सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव डाल सकता है।1941 से चल रहे गवर्नमेंट प्राइमरी उर्दू स्कूल बड़बाव और गवर्नमेंट गर्ल्स हाई प्राइमरी उर्दू स्कूल समेत 8 स्कूलों में उर्दू को खत्म किया गया है और अब यहां हिंदी की तालीम दी जाएगी। इस सिलसिले में 17 जनवरी 2025 को डायरेक्टर सेकेंडरी एजुकेशन डिपार्टमेंट बीकानेर ने आदेश भी जारी किए हैं।

राम रहीम की सुरक्षा में 200 पुलिसकर्मी तैनात

डेरा सच्चा सौदा का मुखी राम रहीम साढ़े 7 साल बाद सिरसा डेरे में पहुंच गया है। 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव की वोटिंग से करीब एक हफ्ते पहले उसे 30 दिन की पैरोल मिली। सजा के बाद वह पहली बार सिरसा डेरा पहुंचा है।

सूत्रों की मानें तो राम रहीम 6 फरवरी तक सिरसा में रहेगा और इसके बाद वह उत्तरप्रदेश के बागपत आश्रम में चला जाएगा।

रोहतक की सुनारिया जेल से राम रहीम को लेने हनीप्रीत 2 गाड़ियां लेकर आई थी। राम रहीम शाह सतनाम जी धाम के अंदर बने 'तेरा वास' में ठहरा है।

सिरसा पुलिस ने डेरे के सभी गेटों पर 200 पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं। डेरे को जाते रास्ते पर भी 10 नाके लगाए गए हैं। जिस गेट से राम रहीम की एंट्री हुई, वहां SHO को पुलिस टीम के साथ तैनात किया गया है। इस गेट से किसी को अंदर जाने की परमिशन नहीं है।

यहां वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी बैन की गई है। डेरा प्रेमियों को भी यहां आने से रोका जा रहा है। रास्ते से ही पुलिस उन्हें वापस लौटा रही है। खुद राम रहीम ने भी सिरसा पहुंचने के बाद वीडियो जारी कर कहा था कि कोई यहां न आए।

डेरे के श्रद्धालुओं को भी नहीं था पता

राम रहीम पैरोल पर इस बार सिरसा में रहेगा, इस बारे में उसके श्रद्धालुओं को भी जानकारी नहीं थी। सिरसा के ब्लॉक भंगीदास कस्तूर इन्सां ने बताया कि उनके लिए मंगलवार सुबह यह खुशियों वाला सरप्राइज रहा। उनका गुरु साढ़े 7 साल बाद मुख्य डेरे में पहुंचे हैं। सिरसा के संदीप इन्सां और सुरेश मोंगा ने कहा कि सारे श्रद्धालु इससे खुश हैं।

श्रद्धालुओं को मिलने पर अभी रोक

राम रहीम के सिरसा डेरे में आने के बाद कई श्रद्धालु यहां आना चाहते हैं। हालांकि डेरा मैनेजमेंट ने ब्लॉक कमेटियों के जरिए कहा है कि जब तक आदेश न मिलें, कोई यहां डेरे में न आए।

इस दौरान न कोई जश्न मनाना है और न ही श्रद्धालुओं को यहां लेकर आना है।

राम रहीम के आने को लेकर डेरे से आदेश आने के बाद ही किसी तरह का कार्यक्रम होगा।

राज्य में भी जल्द निकाय चुनाव, विधानसभा इलेक्शन से पहले भी बाहर आया था

राज्य में भी जल्द ही निकाय चुनाव होने वाले हैं। इसमें 8 नगर निगमों समेत 32 नगर परिषदों और पालिकाओं में चुनाव होने हैं। इसके लिए फरवरी में घोषणा हो सकती है। इससे भी राम रहीम की पैरोल की टाइमिंग को जोड़ा जा रहा है।

इससे पहले भी विधानसभा चुनाव के बीच सितंबर 2024 में राम रहीम ने सरकार से 20 दिन की इमरजेंसी पैरोल मांगी थी। तब मामला चुनाव आयोग तक भी पहुंचा लेकिन राम रहीम को वोटिंग से एक हफ्ते पहले 1 अक्टूबर को पैरोल मिल गई थी।

MP-राजस्थान सहित 3 राज्यों में ठंड कम

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ठंड का असर कम हो गया है। यहां दिन का तापमान 30 डिग्री तक पहुंच गया है। उधर बिहार में कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हरियाणा में करनाल-पानीपत में विजिबिलिटी 20 मीटर तक रह गई।

उधर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में बुधवार को बारिश या बर्फबारी हो सकती है। कश्मीर इस बार असामान्य मौसम पैटर्न से गुजर रहा है। बीते दिन पिछले 24 घंटे के दौरान कश्मीर के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा।

इस दौरान श्रीनगर का न्यूनतम तापमान माइनस 4.3 डिग्री रहा, जो अनुमान से 3.4 डिग्री कम था। वहीं, अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री था जो इस मौसम के हिसाब से 6.4 डिग्री ज्यादा था।

वहीं, दिल्ली में अगले कुछ दिन तक आसमान साफ रहेगा। साथ ही उत्तर-पश्चिमी हवाओं की वजह से कुछ दिन तापमान बढ़ने की संभावना है। हालांकि बुधवार शाम हल्के बादल रहने के आसार हैं। शहर का अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

नहीं मिलेगी मदद...

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के ठीक बाद ही थोक भाव से जिन एक्जीक्युटिव ऑर्डर्स पर दस्तखत किए, उनका असर सामने आने लगा है। ऐसे ही एक आदेश पर अमल करते हुए अमेरिका की एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डिवेलपमेंट (USAID) ने दुनिया के तमाम देशों को विभिन्न प्रॉजेक्ट्स के लिए दी जाने वाली सहायता तत्काल प्रभाव से रोक दी है। इसने स्वाभाविक ही विकासशील देशों में बेचैनी पैदा की है।

यू-टर्न की वजह: यह फैसला इस बात का अच्छा उदाहरण है कि किसी देश की नीतियों में आमूल-चूल बदलाव के लिए राष्ट्रहित बदलना जरूरी नहीं होता, राष्ट्रहित की समझ बदलना, उसकी परिभाषा बदलना भी काफी होता है।

ट्रंप प्रशासन की अगुआई में लिए गए इस यू-टर्न के पीछे भी वजह यही है कि अमेरिका का राष्ट्रीय हित तय करने वाली दृष्टि बदल गई है।

राष्ट्रहित के नए मायने : अगर वित्त वर्ष 2023 में अमेरिकी सरकार ने दुनिया भर में 72 बिलियन डॉलर की सहायता राशि वितरित की, तो वह राष्ट्रीय हितों के विपरीत जाकर लिया गया फैसला नहीं था। इन सहायता राशियों के साथ कई तरह की शर्तें जुड़ी होती थीं जिनसे अमेरिकी हितों की रक्षा सुनिश्चित होती थी। लेकिन नई सरकार ने तय किया कि अमेरिका की बेहतर छवि, उसकी अच्छी साख को वह राष्ट्रहित के लिहाज से उतना महत्वपूर्ण नहीं मानेगी जितना पैसों की शक्ल में होने वाले लेनदेन को।

असर का दायरा : जहां तक भारत की बात है तो 2004 में ही सरकार ने फैसला कर लिया था कि वह विदेश से ऐसी सहायता स्वीकार नहीं करेगी, जिसके साथ ज्यादा शर्तें जुड़ी हों।

इस फैसले के बाद धीरे-धीरे भारत आने वाली ऐसी सहायता राशि कम होने लगी। 2023 में USAID से मिली कुल रकम 201.88 मिलियन डॉलर थी, जो 2024 में और घटकर 159.6 मिलियन डॉलर रह गई। फिर भी थोड़ा-बहुत असर इस तरह के प्रॉजेक्ट्स पर पड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन अफ्रीकी देशों और एशिया के बांग्लादेश जैसे मुल्कों पर इस फैसले का गहरा असर होने वाला है।

पुनर्विचार की गुंजाइश : वैसे, अमेरिकी सरकार भी अपने इस कदम के प्रभावों की समीक्षा करेगी। फिलहाल यह रोक 90 दिनों के लिए है। वहां भी इस फैसले के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। ऐसे में देखना होगा कि ट्रंप सरकार इस फैसले पर अमल को लेकर आखिरकार किस तरह का रुख अपनाती है।

सैफ के घर से मिले फिंगरप्रिंट मैच नहीं, तो पुलिस कैसे साबित करेगी शरीफुल इस्लाम ही असली हमलावर

सैफ अली खान पर 16 जनवरी को हमला हुआ। मुंबई पुलिस ने उनके घर से फिंगरप्रिंट के सैंपल लिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये सैंपल गिरफ्तार आरोपी शरीफुल इस्लाम के फिंगरप्रिंट से मैच नहीं हुए। महाराष्ट्र के CM देवेंद्र फडणवीस ने खुद मुंबई पुलिस कमिश्नर से कन्फ्यूजन दूर करने को कहा है।

सैफ अली खान पर हमले के बाद 22 जनवरी को उनके घर से 200 से ज्यादा फिंगरप्रिंट और बाकी सैंपल लिए थे। इन्हें जांच के लिए CID की लैब भेजा गया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लैब के सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि 19 फिंगरप्रिंट आरोपी से मैच नहीं हुए। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक रिपोर्ट या बयान नहीं आया है।

मुंबई पुलिस ने भी फिंगरप्रिंट मैच की बात को ना स्वीकारा और ना ही खंडन किया। मंगलवार को ACP परमजीत सिंह दाहिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि ये जरुरी नहीं कि सभी 19 फिंगरप्रिंट मैच होंगे। अभी शरीफुल के फिंगरप्रिंट्स की रिपोर्ट नहीं मिली है।

यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह के मुताबिक पुलिस के पास कई तरीके होते हैं। फिंगरप्रिंट मैच नहीं भी करते, तो पुलिस अन्य सबूतों के आधार पर कोर्ट में दावा कर सकती है।

इनमें वारदात में शामिल चाकू, शर्ट, टोपी, स्कार्फ, मोबाइल लोकेशन, सैलून के मालिक से पूछताछ, टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड जैसी चीजें शामिल हैं...

वारदात के बाद चाकू का एक टुकड़ा सैफ के शरीर में घुस चुका था। जबकि चाकू के बाकी हिस्से को लेकर आरोपी फरार हो गया था। आरोपी ने चाकू के टुकड़े को बांद्रा के पास एक झील में फेंका था। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

पुलिस को क्राइम सीन से आरोपी की टोपी मिली है, जिसमें आरोपी के बाल चिपके मिले हैं। इसकी भी DNA जांच चल रही है।

फोरेंसिक टीम आरोपी के कपड़े और सैफ के कपड़ों में मिले ब्लड सैंपल की जांच भी कर रही है।

पुलिस की जांच में वारदात वाले दिन आरोपी शरीफुल का मोबाइल लोकेशन सैफ के घर और उसके आस-पास मिली है, जिससे पुलिस को सबूत जुटाने में मदद मिलेगी।

अरेस्ट होने से पहले शरीफुल जिन लोगों से मिला पुलिस ने उनसे भी पूछताछ की है। वारदात के बाद आरोपी ने अपना हुलिया बदलने के लिए जहां बाल कटवाए, पुलिस ने उस सैलून मालिक से पूछताछ कर सबूत जुटाए हैं।

हमारे हाथ की उंगलियों के सिरे पर बना रेखाओं का पैटर्न फिंगरप्रिंट हैं। मां के पेट से ही बच्चे में फिंगरप्रिंट बनने की शुरुआत हो जाती है और ये जीवनभर नहीं बदलते। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि कभी भी दो लोगों के फिंगरप्रिंट एक जैसे नहीं हो सकते। यानी दुनिया में सभी 8 अरब लोगों का फिंगरप्रिंट अलग है। यहां तक कि एक जैसे दिखने वाले जुड़वा बच्चों का भी।

फिंगरप्रिंट आपकी यूनिक पहचान है। इसी खासियत की वजह से मोबाइल के लॉक से लेकर आधार कार्ड तक इसका इस्तेमाल होता है। चोट लगने या जलने से रेखाओं में अंतर आ सकता है, लेकिन ये पूरी तरह से बदलते नहीं।

पुलिस की थ्योरी है कि सैफ पर हमला करने वाला शख्स वॉशरूम के डक्ट से घर में दाखिल हुआ था और उसी रास्ते से फरार हुआ। ऐसे में डक्ट और आसपास उसके एक्सक्लूसिव फिंगरप्रिंट होंगे। अगर ये मैच हो जाते हैं, तो केस बिल्कुल साफ हो जाएगा।

फिंगरप्रिंट क्राइम की जांच में सबसे सटीक और कारगर तरीकों में एक है। क्राइम सीन से पुलिस फिंगरप्रिंट के सैंपल लेकर संदिग्धों से मिलान करती है। इससे संदिग्ध की मौजूदगी कंफर्म हो जाती है और बाकी साक्ष्यों से को-रिलेट कर लिया जाता है। फिंगरप्रिंट सबूत के तौर पर अदालत में भी स्वीकार है।

फिंगरप्रिंट कलेक्ट करने का काम CID के एक्सपर्ट करते हैं। ये ज्यादातर कांच पर, मेटल पर या प्लास्टिक पर लिया जाता है। इसके बाद हेनरी क्लासिफिकेशन सिस्टम का उपयोग किया जाता है। इसके मुताबिक फिंगरप्रिंट का 10 पॉइंट में कंपेयर होना जरूरी होता है। जिन मामलों में सैंपल्स धुंधले होते हैं, वहां सटीक नतीजे नहीं आते।

1880 में पहली बार ब्रिटेन के डॉक्टर हेनरी फॉल्ड्स ने सुझाव दिया कि फिंगरप्रिंट की सहायता से क्राइम सुलझाया जा सकता है। उन्होंने अपनी रिसर्च में ये भी पाया कि फिंगरप्रिंट जीवनभर नहीं बदलते।

इसके बाद 1892 अर्जेंटीना में क्रिमिनल आइडेंटिफिकेशन रीजनल ऑफिस के इंचार्ज जुआन वुसेटिच ने पहली बार एक अपराध सुलझाने के लिए फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक हत्या के मामले में एक मां के फिंगरप्रिंट से अपराध का खुलासा किया।

1901 में इंग्लैंड में सर एडवर्ड हेनरी ने फिंगरप्रिंट क्लासिफिकेशन प्रणाली विकसित की, जिसे 'हेनरी क्लासिफिकेशन सिस्टम' कहा गया। इसे सबसे पहले स्कॉटलैंड यार्ड ने अपनाया।

1902 में फ्रांस में पहली बार अदालत में फिंगरप्रिंट को सबूत के रूप में स्वीकार किया गया।

1903 में अमेरिका में पहली बार फिंगरप्रिंट का उपयोग एक कैदी की पहचान के लिए किया गया।

1911 में अमेरिका में अदालत ने फिंगरप्रिंट को आधिकारिक तौर पर वैध सबूत माना।

क्राइम सीन से मिले सारे फिंगरप्रिंट का मिलना जरूरी नहीं है क्योंकि जहां घटना होती है वहां आरोपी और पीड़ित के अलावा कई लोगों के फिंगरप्रिंट होते हैं। ऐसे में पुलिस को सिर्फ आरोपी के फिंगरप्रिंट की जरूरत होती है जिससे क्राइम सीन पर उसके होने का पता चल सके। एक्सपर्ट्स मानते हैं 1-2 सैंपल भी मैच करना काफी है।

इसके अलावा फिंगरप्रिंट को अन्य सबूतों से भी क्रॉस चेक किया जाता है। इनमें DNA, फुटप्रिंट्स, गवाहों के बयान शामिल हैं।

यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह के मुताबिक फिंगरप्रिंट मैच नहीं करने का मतलब है कि आपने गलत आदमी को पकड़ा है। अगर रिपोर्ट में इसकी पुष्टि नहीं हुई, तो इससे पुलिस पर सवाल उठ सकता है। हालांकि अभी तक रिपोर्ट नहीं आई है।

इस मामले में जब से आरोपी शरीफुल का चेहरा उजागर हुआ है तब से कई अलग-अलग थ्योरी सामने आ रही है।

कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि फुटेज में दिख रहे अपराधी और गिरफ्तार हुए आरोपी का चेहरा, होंठ, माथे, आंख और आइब्रो की बनावट बिल्कुल अलग है।

महाराष्ट्र के CM और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोपी के फिंगर प्रिंट्स मैच न होने के सवाल पर कहा कि जो बातें पुलिस ने नहीं कहीं, उन्हें बताकर मीडिया कन्फ्यूजन क्रिएट न करे। पुलिस की जांच सही दिशा में बढ़ रही है। जांच कर रहे एसीपी दहिया का भी दावा है कि शरीफुल इस्लाम ने ही हमला किया, सारे सबूत इसकी गवाही दे रहे।

दंगों का दर्द

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली हिंसा के 5 साल बाद भी इंसाफ की आस बाकी

दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए मतदान को तैयार है और पांच साल पहले भड़के उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों का दर्द फिर उभर आया है। दंगों की बड़ी साजिश के आरोप में बहुत से लोग यूएपीए के तहत जेल में हैं और अभी उस मुकदमे का न्याय ठिठका हुआ है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक़ पुलिस ने दंगों से जुड़ी कुल 758 एफ़आईआर दर्ज की हैं। इनमें अब तक कुल 2619 लोगों की गिरफ़्तारी हुई थी, इनमें से 2094 लोग ज़मानत पर बाहर हैं। अदालत ने अब तक सिर्फ़ 47 लोगों को दोषी पाया है और 183 लोगों को बरी कर दिया। वहीं, 75 लोगों के ख़िलाफ़ पर्याप्त सबूत न होने के कारण कोर्ट ने उनका मामला रद कर दिया है। लगभग 5 वर्ष बीतने के बावजूद इनमें अभी 268 मामलों में जांच पूरी नहीं हो पाई है। जरा सोचें कि 1680 दिन बाद दंगे के कौन से साक्ष्य अब मिलेंगे? कुछ अर्जियां ऐसी भी हैं जिन पर मामले दर्ज ही नहीं किए गए क्योंकि उनमें कुछ बड़े नाम थे। विभिन्न थानों में दर्ज 57 मामले ऐसे भी हैं जिनमें पुलिस के हाथ प्रमाण नहीं लगे और इन्हें बंद करने के लिए पुलिस ने अदालत से निवेदन किया। ऐसे 43 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है, जबकि 14 रिपोर्ट अभी विचाराधीन हैं। यह सच है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था का जिम्मा केंद्र सरकार का है लेकिन न्याय और जेल राज्य सरकार के हाथों हैं। विदित हो दिल्ली में विधान सभा चुनाव का नतीजा आने के तत्काल बाद ही दंगे हो गए थे। इस आशय का पत्र और तथ्य अब चार्जशीट का हिस्सा है। दंगों के तत्काल बाद दिल्ली सरकार के दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने एक नौ सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। अल्पसंख्यक आयोग की नौ सदस्यीय जांच कमेटी ने, दंगो में घोषित मुआवज़े के लिए लिखे गए 700 प्रार्थनापत्रों का अध्ययन किया। अपने अध्ययन के बाद, कमेटी ने पाया कि अधिकतर मामलों में क्षतिग्रस्त जगह का दौरा भी नहीं किया गया है, और जिन मामलों में जान माल के नुकसान को सही पाया गया है, उनमें भी बहुत कम राशि, अंतरिम सहायता के रूप मे दी गई है। दंगों के तुरन्त बाद कई लोग घर छोड़ कर चले गए हैं, इसलिए बहुत से लोग, मुआवज़े के लिए आवेदन नहीं कर सके हैं। मुआवज़े में भी सरकारी अधिकारी के मरने पर उनके परिवार वालों को एक करोड़ की रक़म दी गई जबकि आम नागरिकों की मौत पर केवल 10 लाख रुपये का मुआवज़ा दिया गया। मुआवज़े का कोई तार्किक आधार तय नहीं किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में क़ानून-व्यवस्था की ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार की है फिर भी दंगों में पीड़ितों को केंद्र सरकार की ओर से, दंगा पीड़ितों की कोई मदद नहीं की गई। रिपोर्ट के मुताबिक 11 मस्जिद, पांच मदरसे, एक दरगाह और एक क़ब्रिस्तान को नुक़सान पहुंचाया गया। मुस्लिम बहुल इलाक़ों में किसी भी ग़ैर-मुस्लिम धर्म-स्थल को नुक़सान नहीं पहुँचाया गया था। जबकि दिल्ली पुलिस ने अदालत में जो हलफनामा दिया है उसके अनुसार, इन दंगों में, कुल मृतक, 52 हैं जिसमें 40 मुस्लिम समुदाय के और 12 हिन्दू समुदाय के हैं। संपत्ति के नुकसान का जो आंकड़ा दिल्ली पुलिस ने हलफनामा में दिया है, उसके अनुसार, कुल 185 घर बर्बाद हुए हैं जिनमे से 50 घर, मुस्लिम समुदाय के और 14 घर हिंदुओं के हैं। लेकिन इस हलफनामा में खजूरी खास और करावल नगर में हुए नुकसान का साम्प्रदायिक आधार पर ब्रेक अप नहीं दिया गया। साम्प्रदायिक दंगों का कारण धार्मिक कट्टरता होती है तो निश्चय ही उपासना स्थल निशाने पर आते हैं। इस बात के लिए दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की भूमिका भी संदिग्ध है कि अप्रैल 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगा दावा आयोग (एनईडीआरसीसी) के गठन के बावजूद, आज भी 2,790 दावे अनसुलझे हैं। वायदे-दावे आगे चल कर सरकार बनाम उप राज्यपाल के झगड़े में फंस गए। उधर आयोग के अधिकारी कहते हैं कि एलजी द्वारा नियुक्त एसेस्मेंट टीम के 40 में से केवल 5 से ही उनका संपर्क हो पाया। हालांकि यहां लोगों ने लाखों गंवाए हैं। समय के साथ उनके जख्म भर रहे हैं। बहुत से लोगों ने नए सिरे से रोजी-रोटी के रास्ते खोले हैं लेकिन सरकार के मुआवजे के दावे और निर्दोष लोगों को न्यायिक सहयोग में आम आदमी सरकार की निर्ममता और लापरवाही केंद्र सरकार से काम नहीं हैं। दंगा ग्रस्त इलाकों में न्याय की बात हो या राहत की या फिर लोगों की नफरत मिटाकर सौहार्द के लिए प्रयास करना, तीनों कार्य राज्य की सरकार की जिम्मेदारी थी। वे मुकदमों के तेजी से निबटारे और दोषियों को सजा के लिए भी दवाब बना सकती थी, लेकिन आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार इन सभी मुद्दों से मुंह मोड़े रही ।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मौन होकर पार उतर जाने का अवसर मौनी अमावस्या

संकलित

दर्शन

मौनी अमावस्या सर्दियों की संक्रांति के बाद दूसरी या महाशिवरात्रि से पहले वाली अमावस्या है। हमारे देश के किसानों को भी आमतौर पर पता है कि अमावस्या या अमावस्या के दौरान, बीज का अंकुरण और पौधों की वृद्धि धीमी हो जाती है। एक पौधे में रस को ऊपर तक पहुंचने के लिए एक कठिन कार्य का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही इंसान के साथ भी होता है, जिसकी रीढ़ सीधी होती है। इन विशेष तीन महीनों के दौरान संक्रांति से महाशिवरात्रि तक उत्तरायण में पूर्णिमा और अमावस्या दोनों का प्रभाव बढ़ा हुआ होता है। यौगिक परंपराओं में प्रकृति द्वारा दी जा रही इस सहायता का लाभ उठाने की कई प्रक्रियाएं हैं। इनमें से एक है मौनी से महाशिवरात्रि तक मौन रहना। इस अवधि के दौरान सभी जल-निकायों और जल-भंवरों पर बहुत प्रभाव पड़ता है। यह न भूलें कि हमारे शरीर में सबसे अंतरंग जल-निकाय है, जिसे हम जानते हैं कि यह 70 प्रतिशत से अधिक पानी है।सौर और चंद्र प्रणाली के चक्र मानव अनुभव में समय की मूल अवधारणा हैं। या तो समय के चक्रों पर सवार होना या समय के अंतहीन चक्रों में फंस जाना, यही वह विकल्प है, जो किसी को चुनना होता है। यह समय और दिन उससे पार जाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। अंग्रेजी शब्द 'साइलेंस' वास्तव में बहुत कुछ नहीं कहता है। संस्कृत भाषा में मौन के लिए कई शब्द हैं। 'मौन' और 'निशब्द' दो महत्वपूर्ण अर्थ है- मौन, जैसा कि हम आमतौर पर जानते हैं- आप बोलते नहीं हैं; यह निशब्द बनाने का एक प्रयास है।

अपनी इच्छाओं का दमन नहीं शमन करें

संकलित

प्रेरणा

जब आप इच्छा का निरीक्षण करते हैं, तब क्या आप किसी अजनबी की तरह उसे देखते हैं? या इच्छा उठने के साथ ही उसका निरीक्षण करते चलते हैं? ऐसा नहीं कि इच्छा करनेवाले व्यक्ति की इच्छा अलग है; इच्छा करनेवाला ही स्वयं इच्छा है। इच्छा हमारे जीवन की एक अत्यावश्यक प्राणभूत प्रेरणा है। हम इच्छा मात्र की बात कर रहे हैं, किसी विशिष्ट चीज को पाने की इच्छा के बारे में नहीं। सारे धर्मों ने कहा है कि यदि आप भगवान को पाना चाहते हैं तो इच्छा को वश में करना होगा, इच्छा को नष्ट करना होगा, इच्छा को नियंत्रित करना होगा। सारे धर्मों ने कहा है इच्छा के स्थान पर विचार द्वारा बनाई किसी प्रतिमा की स्थापना करो, यानी वास्तविक के स्थान पर काल्पनिक की स्थापना। इच्छा वास्तविक है, ज्वलंत है और लोग समझते हैं कि उसके स्थान पर किसी दूसरी चीज की स्थापना करने से उस पर काबू पा लिया जाएगा। या फिर आप उस व्यक्ति की शरण में चले जाते हैं, जिसे आप महात्मा, परमात्मा, गुरु मानते हैं। और ये सब विचार के ही क्रिया-कलाप हैं। सारे धार्मिक चिंतन का यही ढांचा रहा है। इच्छा की समग्र गतिविधि को समझना हमारे लिए आवश्यक है, क्योंकि स्पष्ट है कि वह न तो प्रेम है और न ही करुणा। प्रेम और करुणा की अपनी स्वयं की एक प्रज्ञा होती है; वह धूर्त विचार की बुद्धिमत्ता नहीं होती। अत इच्छा का स्वरूप क्या है तथा इच्छा हमारे जीवन में इतनी असाधारण भूमिका क्यों निभाती रही है, यह समझ लेना महत्वपूर्ण है।

अंतर्मन

आज की पाती

हादसों का बढ़ता ग्राफ चिंताजनक

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देश में सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों का जो आंकड़ा है, जो वह बहुत ही चिंता का विषय है। इन आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में लगभग 4 लाख से ऊपर सड़क दुर्घनाएं हुईं। इनमें लगभग एक लाख से ऊपर लोगों की मौत और लगभग 4 लाख से ऊपर घायल हुए। लेकिन यह भी हो सकता है कि कुछ सड़क हादसे ऐसे हों जिनका कोई रिकॉर्ड न हो, जैसे कि टूटी-फूटी गलियों या सड़कों पर हुए हों, जिनका पुलिस केस न बना हो। बढ़ते सड़क हादसों की समस्या तो आतंकवाद और नक्सलवाद से भी बड़ी समस्या है। सरकार हमारी सुविधा के लिए सड़कों का विस्तार कर रही है, इन्हें अच्छा बना रही है, लेकिन इनका प्रयोग कैसे सावधानी से करना है, यह तो हमारी जिम्मेदारी है न!

विजय कुमार साहू, रायपुर

ट्रेंड

लाजपत राय को नमन

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्रवाद की भावना को जागृत करने वाले महान क्रांतिकारी, 'पंजाब केसरी' के रूप में विख्यात लाला लाजपत राय की जयंती पर उन्हें कोटिश: नमन करता हूं।

-जे.पी. नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

दिल्ली में कमल खिलेगा

विकास, डबल इंजन की सरकार से ही आगे बढ़ सकता है। मंगोलपुरी की जनता-जनार्दन का यह अपार उत्साह इस बात का उद्घोष है कि दिल्ली में विकास और सुशासन का कमल खिलने जा रहा है, जन आशीर्वाद से डबल इंजन की भाजपा सरकार बनने जा रही है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

किसानों के लोन माफ़ हों

आदरणीय प्रधानमंत्री जी, अमीरों के करोड़ों के लोन माफ करने की जगह देश के किसानों और मिडिल क्लास के लोन माफ किए जाएं, मिडिल क्लास पर टैक्स का बोझ भी कम किया जाए।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

योगी शासन में सुरक्षा नहीं

यूपी के बागपत में आयोजित निर्वाण धार्मिक महोत्सव में सरकारी प्रशासनिक अनदेखी व लापरवाही के कारण भीड़ नियंत्रण की कोई मॉनिटरिंग ना होने के कारण हादसा हुआ योगी सरकार धर्म के नाम पर तमाशा बना रही है,जनता को कोई सुरक्षा नहीं मिल रही। -अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

डीपसीक के नए चैटबॉट से चीन-अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धा

चीनी प्रौद्योगिकी स्टार्टअप डीपसीक के नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता चैटबॉट ने एआई के विकास में चीन और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धा के बारे में चर्चा शुरू कर दी है। अनेक उपयोगकर्ता ओपनएआई के चैटजीपीटी के प्रतिद्वंद्वी का परीक्षण कर रहे हैं। डीपसीक का 'एआई असिस्टेंट' मंगलवार दोपहर ऐपल के आईफोन स्टोर पर डाउनलोड किया जाने वाला पहले नंबर का मुफ्त ऐप बन गया और इसकी शुरुआत के कारण अमेरिकी शेयर बाजार (वॉल स्ट्रीट) में बड़ी गिरावट देखी गई। एआई उद्योग पर चीनी चैटबॉट का अंतिम प्रभाव अभी भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह संवेदनशील चीनी विषयों पर उत्तरों को 'सेंसर' करता प्रतीत होता है, जो आमतौर पर चीन के इंटरनेट पर देखा जाता है। चीन ने 2023 में ऐसे नियम जारी किए थे जिनमें कंपनियों को अपने उत्पादों को सार्वजनिक रूप से शुरू करने से पहले सुरक्षा समीक्षा करने और अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता थी। चीन और अमेरिका के चैटबॉट पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर अपने हिसाब से अलग-अलग तरीके से देते हैं। लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति का नाम पूछे जाने पर दोनों ही चैटबॉट ने गलती से डोनाल्ड ट्रंप की जगह जो बाइडन का नाम लिया।

ऑफ बीट

'गहराई से सुनें': क्या कहती है प्रकृति

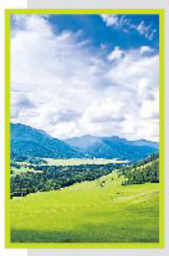

क्या आपने कभी कुछ देर रुक कर प्रकृति की आहट सुनी है? गहराई से, खामोशी से और धैर्य से? नहीं? कोई बात नहीं, अभी भी इसे सुनने का समय बचा है। गहराई से आवाजों को सुनना एक हुनर है और इस हुनर को सीखा जा सकता है। किसी खास प्रजाति के पक्षी की आवाज या उसका गीत कानों में पड़ना एक बात है और प्रकृति में बसी आवाजों को गहराई से, ठहरकर, शांति से सुनना एक दूसरा ही अनुभव होता है। प्रकृति की आवाजों को गहराई से सुनने का अर्थ है, बहुत सी प्रजातियों के बीच के संबंधों, उनके व्यवहार और उनके आपसी संवाद को गहराई से सुनना और उस सुने हुए से सीखना। मूल जातीय लोग आस्ट्रेलिया और दूसरे क्षेत्रों में हजारों सालों से यह काम कर रहे हैं। कारूलकियालु काउंटी में रहने वाले मूल जातीय लोगों के ज्ञान की रौशनी और उनकी निगरानी में मैं पीएचडी शोध कर रहा हूं। इसमें मैं उन प्रक्रियाओं के बारे में समझ रहा हूं जिनसे ये लोग प्रकृति से जुड़े हुए हैं और देख रहा हूं कि किस प्रकार गहराई से सुनने की इस मूल जातीय अवधारणा को आस्ट्रेलिया की शिक्षा व्यवस्था में समाहित किया जा सकता है। पिछले काम पर आधारित प्रोजेक्ट ने छात्रों के परिणामों और शिक्षकों के कल्याण के संबंध में सकारात्मक नतीजे दिए हैं।

रॉयल पत्रिका

न्यूज गैलरी

संस्कृत विश्वविद्यालय में छन्द-अलंकार प्रशिक्षण कार्यशाला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर में प्राध्यापक विकास केन्द्र की ओर से पांच दिवसीय छन्द-अलंकार प्रशिक्षण कार्यशाला सोमवार प्रारंभ हुई। समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृत साहित्य विद्याशाखा के पूर्व समन्वयक प्रो. रामकुमारशर्मा ने अपने उद्बोधन में भाषा सौन्दर्य के लिए छन्द अलङ्कार के ज्ञान को आवश्यक बताया। इस अवसर पर सारस्वतातिथि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रीरणवीर परिसर जम्मू के संस्कृत साहित्य विद्या शाखा के समन्वयक आचार्य प्रो सतीश कपूर तथा विशिष्टातिथि राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साहित्य विभाग के सहाचार्य डॉ. सीएच नागराज तिरुपति रहे। अध्यक्षता जयपुर परिसर निदेशक प्रो सुदेश कुमार शर्मा ने की। प्राध्यापक विकास केन्द्र के सह निदेशक प्रो वाई एस रमेश ने बताया कि यह कार्यशाला राजस्थान के संस्कृत विभाग में कार्यरत प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी में कार्यरत अध्यापकों के लिए

स्ट्रेस, पीअर प्रेशर, गेटल डिसऑर्डर नशे के मुख्य कारण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री राधा गोविन्द राजकीय महाविद्यालय कंवर नगर, जयपुर में सोमवार को नशा मुक्ति क्लब के तत्वावधान में नई किरण : नशा मुक्ति अभियान के अन्तर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के चयनित एनएसएस स्वयंसेवकों, स्काउट रेंजर व रोवर तथा विद्यार्थियों ने कार्यशाला में भागीदारी की। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सुमन भाटिया ने अतिथियों विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की नसीहत दी। संयोजक नशा मुक्ति दूर क्लब की प्रभारी डॉ. कविता साहनी ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करके युवा पीढी को तम्बाकू और अन्य प्रकार के नशे से दूर रखने में सहयोग करना है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. तुषार जागावत ने पीपीटी के माध्यम से नशे के कारण होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्ट्रेस, पीअर प्रेशर, गेटल डिसऑर्डर आदि को नशे का मुख्य कारण बताया।

न्यू इंडिया एश्योरेंस को बेस्ट राइजिंग टीम सहित 3 अवार्ड

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगर जयपुर स्थित राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र, झालाना में आयोजित ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर के प्रोग्राम में न्यू इंडिया एश्योरेंस की टीम को राइजिंग स्टार सहित 3 अवार्ड से नवाजा गया। ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के तत्वाधान में बैंक ऑफ़ बडौदा द्वारा आयोजित इस कल्चरल परफॉर्मेंस प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार व कमला चौहान के युगल स्वर गाने को बेस्ट एंटरटेनमेंट युगल का पुरस्कार मिला। साथ ही न्यू इंडिया एश्योरेंस की टीम को ग्रुप डांस में भी बेस्ट एंटरटेनमेंट अवार्ड मिलने की वजह से न्यू इंडिया इंश्योरेंस की टीम को इस प्रतियोगिता का राइजिंग स्टार चुना गया। समूह नृत्य में डॉ देवेंद्र कुमार,नीली निरंजन, बबीता सिंह, शालिनी सैनी, डॉ किरण महारानियां ने माई नेम इज़ एंथोनी गोंसलविस गाने पर परफॉर्मेंस कर सभी को आनंदित किया।

वीडियो कॉल पर दोस्त को बोला था-बात नहीं करेगी तो उसके पति को मार दूंगा

पति-पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

- गहने गिरवी रख पिस्तौल लाया
- आरोपी 4 दिन के रिमांड पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. सांगानेर सदर थाना पुलिस ने पति-पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने गहने गिरवी रखकर पिस्तौल खरीदी थी। वीडियो कॉल पर दोस्त को पिस्तौल दिखाकर हत्या करने की प्लानिंग भी बताई थी। आरोपी मोनू उपाध्याय उर्फ मोनू पंडित (27) ने दोस्त को कहा था कि आशा (25) मेरे से बात नहीं करेगी तो मैं उसके पति राजाराम मीणा (26) को मार दूंगा।

डीसीपी (साउथ) दिगंत आनंद ने बताया कि डबल मर्डर के मामले में आरोपी मोनू उपाध्याय निवासी जगनेर, आगरा (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। वह जयपुर के पास जोतडावाला के सायर नगर-ए में पत्नी और तीन बच्चों के साथ किराए पर रहता है। जोतडावाला गांव में एक्सपोर्ट गारमेंट कंपनी में काम करता है। गौरतलब है कि मोनू 24 जनवरी को जोतडावाला की शांति विहार कॉलोनी में रहने वाली आशा और उसके पति राजाराम की हत्या कर फरार हो गया था। पुलिस ने जयपुर से आगरा तक कई जगह दबिश दी। 25 जनवरी को देर रात दौसा के महुवा में बस स्टैंड से मोनू पंडित को हिरासत में लिया गया।

जयपुर लाकर पूछताछ के बाद पति-पत्नी की गोली मारकर हत्या करना स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी को रविवार को कोर्ट में पेश कर चार दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस टीम आरोपी से पूछताछ कर पिस्तौल बरामदगी के लिए लेकर जाएगी।

मोनू-आशा एक ही फैक्ट्री में काम करते थे

आरोपी मोनू का घर राजाराम-आशा के मकान से करीब आधा किलोमीटर दूर है। यहां वह पत्नी और तीन बच्चों (9 साल, 4 साल और 8 महीने के बच्चे) के साथ रह रहा था। मोनू और आशा एक ही फैक्ट्री में काम करते थे। फैक्ट्री में साथ काम करने के दौरान मोनू ने आशा से नजदीकियां बढ़ा ली थीं। बातचीत के दौरान आशा से मोनू ने दोस्ती कर ली। 6 महीने पहले मोनू ने बातचीत के लिए आशा को एक मोबाइल भी दिया था।

देवर को भी धमकाया

डीसीपी ने बताया कि आशा के पास मोबाइल मिलने पर पति राजाराम ने मोनू से बात करने से मना कर दिया। इसके बाद आशा ने मोनू से बात करना बंद कर दिया। फैक्ट्री जाना भी बंद कर दिया। आशा से बात करने की फिराक में मोनू विचलित होकर घूमने लगा। 22 जनवरी को दोपहर में आशा स्कूल की छुट्टी होने पर बेटे को लेने गई थी। इस दौरान आशा का पीछा उसका देवर आशाराम कर रहा था। आशा से बात करने की फिराक में घूम रहे मोनू ने आशाराम को देख लिया। आशाराम के पास जाकर मोनू ने धमकाया- 'आशा से बात करने दो, नहीं तो मैं तुम सब को देख लूंगा।'

आशा को भी मारनी पड़ी गोली

आरोपी मोनू ने पूछताछ में बताया कि वह आशा से बातचीत में बाधा बन रहे पति राजाराम को ही मारना चाहता था। उसको मारने के लिए ही पिस्तौल खरीदकर लाया था। घर में घुसकर आशा से बातचीत नहीं करने को लेकर राजाराम को गाली-गलौच की। उसके बाद पिस्तौल निकालकर राजाराम की कनपटी पर गोली मार दी। राजाराम को जमीन पर गिरते देखकर आशा रोने लगी। आशा उसको पकड़वा देगी, इस कारण उसको भी गोली मारनी पड़ी।

दोस्त को बताई थी हत्या की प्लानिंग

23 जनवरी की देर शाम फैक्ट्री में साथ काम करने वाले प्रदीप को मोनू पंडित ने वीडियो कॉल किया। वीडियो कॉल पर पिस्तौल दिखाई। कहा कि राजाराम की पत्नी आशा मेरे से बात नहीं करेगी तो मैं राजाराम को जान से मार दूंगा। राजाराम का भाई आशाराम भी इसी फैक्ट्री में काम करता है। अगले दिन सुबह फैक्ट्री में काम के दौरान आशाराम को प्रदीप मिला था। प्रदीप ने वीडियो कॉल पर मोनू से हुई बात के बारे में आशाराम को बताया। उससे पहले ही मोनू घर में घुसकर राजाराम और आशा की हत्या कर भाग चुका था।

धौलपुर से खरीदकर लाया हथियार

आशा से बात नहीं होने के कारण मोनू ने उसके पति राजाराम को रास्ते से हटाने की ठान ली। मोनू ने घर से गहने निकालकर गिरवी रखकर रुपयों की व्यवस्था की। धौलपुर के बसेड़ी से 50 हजार रुपए में देसी पिस्तौल खरीद कर 23 जनवरी की शाम जयपुर लौट आया।

निगम कर्मचारियों ने तोड़फोड़ की, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

जयपुर ग्रेटर नगर निगम के बाहर सोमवार को जबरदस्त हंगामा हो गया। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सुबह से मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। गेट पर कचरा और कीचड़ डाल दिया। पुलिस फोर्स ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। पुलिस ने 5 कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। इस दौरान कुछ पुलिसवालों को भी चोटें आई हैं। यह पूरा विवाद नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव से जुड़ा है। चुनाव के लिए शेड्यूल के मुताबिक 29 जनवरी वोटिंग की तारीख निश्चित है। निगम प्रशासन ने वोटिंग की तारीख को आगे बढ़ने पर चर्चा की। इसके विरोध में कर्मचारी धरने पर बैठे थे।

जयपुर आर्ट वीक में चमकी दुनियाभर के आर्टिस्ट्स की कलाकृतियां

जयपुर आर्ट वीक 4.0 के दूसरे दिन की गतिविधियां कला, संस्कृति और रचनात्मकता के अनूठे संगम का प्रमाण रहीं। प्रतिष्ठित जवाहर कला केंद्र (जेकेके) और अन्य प्रमुख स्थलों पर आयोजित इस कार्यक्रम ने कलाकारों, क्यूरेटर्स और कला प्रेमियों को एक साझा मंच पर जोड़ते हुए कला की विविध विधाओं और नवीन प्रथाओं का उत्सव मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे से हुई, जिसमें कई प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी रचनाओं और प्रेरणाओं पर प्रकाश डाला। नल चर्चा एंडिंग द साइकल - व्हाट मेक्स अ सपोर्ट सिस्टम सस्टेनेबल फॉर आर्टिस्ट्स में लिज वेस्ट, रितु सिंह और मनीषा गेरा बसवानी जैसे वक्ताओं ने कलाकारों के लिए स्थायी समर्थन प्रणाली पर विचार साझा किए।

लड़की के जरिए लोगों को फंसाते, हनीट्रेप की धमकी देकर रुपए वसूलते

अमीरों को किडनैप कर रुपए वसूलने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)।

रामनगरिया थाना पुलिस ने किडनैप कर रंगदारी वसूलने वाली गैंग के मास्टर माइंड को अरेस्ट किया है। गैंग के बदमाश लड़की के जरिए अमीर लोगों को फांसते थे। हनीट्रेप में फंसाने की धमकी देकर बंधक बना मारपीट कर रुपए वसूल लेते थे। पुलिस ने आरोपी मास्टर माइंड के कब्जे से एक देसी कट्टा और वसूले के 8.24 लाख रुपए बरामद किए हैं।

डीसीपी (ईस्ट) तेजस्वनी गौतम ने बताया- गैंग के मास्टर माइंड अमर सिंह मीणा उर्फ कल्लु (25) पुत्र देवी सहाय निवासी मेहंदीपुर बालाजी दौसा को अरेस्ट किया गया है। एसएचओ रामनगरिया अरुण कुमार के नेतृत्व में एसआई सुरेश कुमार, कॉन्स्टेबल मुनेश, लोकेंद्र पाल और राहुल की टीम बनाकर भेजा गया। पुलिस ने रविवार रात दबिश देकर दौसा से आरोपी को पकड़ा है। पुलिस को आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और किडनैप कर रंगदारी के 8.24 लाख रुपए मिले हैं।

गैंग का मास्टर माइंड है आरोपी : अमर सिंह मीणा उर्फ कल्लु किडनैप कर रंगदारी वसूलने वाली गैंग का मास्टर माइंड है। उसने अपनी गैंग में लड़की को भी शामिल कर रखा है। लड़की के जरिए रैकी कर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। फिर किडनैप कर बंधक बना लेते हैं।

रेप का केस दर्ज करा जेल भेजने की धमकी देकर डराते हैं। मारपीट और टॉर्चर कर दहशत बनाकर रंगदारी वसूलते हैं। रंगदारी वसूलने के बाद छोड़ने पर किसी प्रकार की शिकायत करने पर हनीट्रेप केस में फंसाने की धमकी देते। पुलिस ने मामले में अब तक गैंग के कुल 6 बदमाशों को अरेस्ट किया है।

-जयपुर। सहकारिता विभाग के प्रयासों के परिणामस्वरूप राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने राजस्थान राज्य उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) एवं भण्डार को बकाया 59 करोड़ रुपये की राशि के भुगतान के लिए आदेश जारी कर दिया है। यह भुगतान आरजीएचएस के अंतर्गत लाभार्थियों को उपलब्ध करवाई गई नि:शुल्क दवाओं के पेटे किया गया है।

जिला जयपुर में वनपाल एवं वनरक्षक 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर- मंगलवार को एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी स्पेशल इन्वेस्टीगेशन विंग, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुए श्री रतिपाल सिंह, वनपाल और श्री ओमप्रकाश मिठारवाल, वनरक्षक, चन नाका चिमनपुरा, रेन्ज नाहरगढ़ अभ्यारण्य, जयपुर को 10,000 रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक श्री डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी जयपुर को एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप था कि आरोपी अधिकारियों ने परिवादी के द्वारा किए जा रहे दो दुकानों के निर्माण कार्य में रुकावट न डालने के बदले 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री कालुराम रावत के निर्देशन में एसीबी स्पेशल इन्वेस्टीगेशन विंग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप सारस्वत और उप अधीक्षक पुलिस श्री सुरेन्द्र पंचोली के नेतृत्व में एक ट्रेप कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में आरोपियों को रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ और कार्रवाई जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर किया था दुष्कर्म

धौलपुर के पवन को 20 साल की सश्रम जेल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रताप नगर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर 15 साल की पीडिता के साथ दुष्कर्म करने से जुड़े प्रकरण में पोक्सो एक्ट मामलों की विशेष कोर्ट, क्रम संख्या-01, महानगर-प्रथम में जज मीना अवस्थी ने नाबालिग की सहमति को महत्वहीन बताते हुए अभियुक्त गांव पहाड़ी-दिहौली, धौलपुर निवासी पवन को 20 साल का कठोर कारावास एवं 60 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई हैं। स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर राजेश श्योराण ने राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 27 नवंबर, 2022 को प्रताप नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी कि 05-06 माह से अभियुक्त रात करीब 12.30 बजे उनके घर में आता था और शादी का वादा देकर नाबालिग पुत्री के गलत काम किया था और अब वह फरार हैं। वह अपने आप को बहुत बड़ा गैंगस्टर बताता था। जिससे पीड़िता डर गई एवं डिप्रेशन में आ गई थी। बाद जांच पुलिस ने अभियुक्त को 25 अप्रैल, 2023 को गिरफ्तार कर चालान पेश किया था। विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने 14 गवाहों के बयान एवं 19 दस्तावेजात प्रदर्शित करवाएं। कोर्ट ने अभियुक्त पवन को पोक्सो एक्ट की धारा-3/4(2) में 20 साल व 30 हजार एवं धारा-5एल/6 के अपराध में 20 साल की सश्रम जेल एवं 30 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित करने के आदेश दिए।

कोचिंग विद्यार्थियों के आए दिन आत्महत्या करने का मामला

सरकार ने हाईकोर्ट में कहा कोचिंग सेंटर्स के लिए विधानसभा में पेश करेंगे बिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)।

राज्य सरकार की ओर से सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट को जानकारी दी कि कोचिंग सेंटर्स के नियामक कानून के लिए विधानसभा सत्र में विधेयक लाया जाएगा।

इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए जस्टिस इन्द्रजीत सिंह एवं जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 10 फरवरी को तय की है। इस मामले में हाईकोर्ट ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान जनहित याचिका के रूप में दर्ज किया था।

महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने हाईकोर्ट को बताया कि सरकार कोचिंग सेंटर्स के संचालन के लिए कानून बनाने जा रही है। सभी मुद्दों विचार किया जा रहा है। आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक पेश कर दिया जाएगा। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने सरकार को कहा था कि कानून बनने तक कोचिंग सेंटर्स के लिए केन्द्र सरकार की ओर से बनाई गई गाइडलाइन के तहत उनका पंजीकरण किया जाए। सरकार ने प्रदेश में चल रहे कोचिंग संस्थानों की सूची भी जिलेवार हाईकोर्ट में पेश की थी।

जयपुर पुलिस ने शहर में चलाया बांग्लादेशियों,रोहिंग्यां के विरुद्ध छापामार अभियान

जयपुर । जयपुर पुलिस ने वांछित अपराधियों व संदिग्ध अवैध रूप से निवासरत् बांग्लादेशी/ रोहिंग्यां के विरूद्ध अभियान चलाकर आयुक्तालय के दक्षिण व उत्तर जिले के लगभग 500 हार्डकोर एवं संदिग्ध बदमाशों सहित संदिग्ध अवैध रूप से निवासरत् बांग्लादेशी,रोहिंग्यां को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो एवं उन्हें त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है।

उन्होंने बताया कि जयपुर पुलिस द्वारा आयुक्तालय के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सिटी श्री कुवंर राष्ट्रदीप ने बताया कि इस अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस उपायुक्त पूर्व श्री दिगंत आनंद ने बताया कि जिला दक्षिण के सभी थाना क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 170 बीएनएसएस में 17 व अन्य एक्ट में 2 कार्यवाही तथा सोडाला थाना क्षेत्र में 394 रोहिंग्यां नागरिकों का शरणार्थी के रूप में निवास करना पाया गया।

जिनके यूएनएचसीआर कार्ड/ग्रीन कार्ड बने हुये है। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में अवैध रूप से निवासरत् बांग्लादेशी फजर अली पुत्र बशीरूद्वीन जाति मुसलमान उम्र 45 साल निवासी मदारीपुर बांग्लादेश हाल मकान नम्बर एफ 75 जेडीए कॉलोनी बक्सावाला सांगानेर जयपुर को गिरफ़्तार किया है। पुलिस उपायुक्त उत्तर श्रीमती राशि डूडी डोगरा ने बताया कि उत्तर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में 170 बीएनएसएस में 243 व अन्य एक्ट में 2 कार्यवाही तथा बांग्लादेशी दबीश की कार्यवाही दौरान 250 संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

निगम हेरिटेज में मांस की अवैध दुकानों को सीज किया, पार्षद पति ने किया विरोध

जयपुर (रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. नगर निगम हेरिटेज द्वारा अवैध मीट और मांस की दुकानों के खिलाफ अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को नगर निगम की पशु प्रबंधन शाखा की टीम चांदपोल इलाके में कार्रवाई करने पहुंची। जहां वार्ड 56 की पार्षद पति ने निगम कार्रवाई का विरोध शुरू कर निगम कर्मचारियों के साथ ही धक्का-मुक्की शुरू कर दी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से नगर निगम की टीम ने पांच दुकानों को सीज कर 75 किलो से ज्यादा दूषित मीट और मांस जब्त कर नष्ट किया।

उन्होंने बताएं कि आज जब निगम की टीम कार्रवाई करने पहुंची। तब वार्ड 56 की पार्षद रेशम बेगम के पति लतीफ कुरैशी विरोध करने पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनता के साथ मिल निगम के कर्मचारियों के साथ धक्का मुक्की करने लगे। जिसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से अवैध दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

पांच दुकानों को किया गया सीज

पशु प्रबंधन शाखा के उपायुक्त और चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि आम जनता द्वारा मिल रही शिकायतों के आधार पर आज पशु प्रबंधन शाखा के दस्ते ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिसके तहत आज चांदपोल, ब्रह्मपुरी, भट्ठा बस्ती और पठानों के चौक इलाके में 5 दुकानों को सीज किया गया है। जबकि 75 किलो से ज्यादा दूषित मीट और मांस को जब्त कर नष्ट किया गया है। इसके साथ ही नियमों के विपरीत आज दुकान खोलने वाले दुकानदारों के 35 हजार रुपए के नकद चालान भी काटे गए हैं।

जारी रहेगी कार्रवाई

नगर निगम हेरिटेज कमिश्नर अरुण हसीजा ने बताया कि अवैध रूप से मीट और मांस बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ नगर निगम द्वारा अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज 5 दुकानों को सीज किया गया है। वहीं बड़ी संख्या में दूषित मीट और मांस को जब्त कर नष्ट करने के साथ ही नगद चालान भी काटे गए हैं। भविष्य में भी यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आज पार्षद प्रतिनिधि द्वारा निगम कार्रवाई का विरोध किया गया, जो पूरी तरह से गलत था। जनप्रतिनिधि को तो इस तरह की कार्रवाई में नगर निगम का सहयोग करना चाहिए।

समृद्धि कार्यक्रम में शिक्षण प्रतियोगिता में मोहम्मद नासिर रहे प्रथम

सवाई माधोपुर.(रॉयल पत्रिका) शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला स्तरीय समृद्धि कार्यक्रम के तहत" कला समेकित शिक्षण शास्त्र" की प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर इंद्रा कॉलोनी में स्थित समग्र शिक्षा कार्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के सरकारी विद्यालयों के अध्यापकों ने भाग लिया। शिक्षण में रोचक शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग एवं बेहतर शिक्षण को लेकर हुई इस प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मखौली में कार्यरत मोहम्मद नासिर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर नासिर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपने प्रतिभा प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा।

सभी विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में सहायक निदेशक समसा कालूराम बैरवा , शशिकला बंशीवाल , राकेश कुमार मीणा एपीसी,श्रीकांत शमा वरिष्ठ व्याख्याता डाइट मौजूद रहे।

महिला के गले से सोने की चेन तोड़ने का प्रयास

बाइक पर 2 बदमाशों ने की कोशिश, पति से फोन पर बात कर रही थी पीड़िता

अजमेर के क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र में महिला से लूट की कोशिश का मामला सामने आया है। बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चेन तोड़ने का प्रयास किया था। लेकिन महिला ने चैन को पकड़ लिया और चेन हाथों में आ गई। तभी दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। महिला की शिकायत पर क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस जांच में जुटी है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार अभियंता नगर निवासी हेमा नागदेव ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। महिला ने शिकायत देकर बताया कि वह अपने घर के सामने धूप में कुर्सी लगाकर बैठी थी। तभी उसके पति का फोन आया तो वह बातचीत करते हुए चल रही थी।

महिला ने बताया कि तभी उनकी गली में दो बदमाश बाइक पर आए और उसके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन उसने चेन को पकड़ लिया और वह हाथों में रह गई।

उसने तुरंत चिल्लाया तभी बाइक सवार दोनों बदमाश मौके से भाग गए। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

मदरसा तालीमुल कुरान चमन कॉलोनी सांगानेर में मनाया गणतंत्र दिवस

जयपुर (रॉयल पत्रिका) हर साल की भांति इस साल भी मदरसा तालीमुल कुरान चमन कॉलोनी कागजी मोहल्ला सांगानेर में हिंदुस्तान का कौमी एकता का महान पर्व गणतंत्र दिवस बहुत ही शानदार तरीके से मनाया गया। बच्चों ने हिंदुस्तान की शान में गाना गाकर प्रोग्राम का आगाज किया। इस मौके पर सदर हाजी अब्दुल रशीद कागजी, हाजी वजीर पठान, हाजी अब्दुल गनी कागजी, हाजी अब्दुल गफ्फार कागजी और कारी मुकर्रम, कारी आजम और मौलाना अनस और तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

कलेक्टर टीना डाबी से की हेलिकॉप्टर की डिमांड

फरियादी बोला— घर आने-जाने के लिए रास्ता नहीं है इसलिए व्यवस्था करवा दो

बाड़मेर जिला कलेक्टर टीना डाबी की रात्रि चौपाल में अजीबो-गरीब एक फरियादी पहुंचा। खुद के घर जाने के लिए रास्ता नहीं होने पर मैडम से हेलिकॉप्टर की व्यवस्था करवाने की मांग कर दी। बोला घर जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। एक रास्ता जो बंद कर दिया गया, अब या तो रास्ता खुलावा दे वरना हेलिकॉप्टर की व्यवस्था कर दीजिए।

इस दौरान एसडीएम बद्रीनारायण विश्नोई ने पूछा कि इससे पहले हमारे पास कोई नहीं आए। तब पीड़ित बोला मैं कई बार आपके पास और राजस्व अधिकारियों के पास भी गया, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

कलेक्टर टीना डाबी मंगलवार को रात्रि चौपाल के लिए सेड़वा पहुंची। वहां पर लोगों की परिवेदनाएं सुनी। कलेक्टर ने भी पीड़ित को समझाया कि आपकी समस्या का हल कर दिया जाएगा। इसके बाद पीड़ित माना और वहां से आगे बढ़ा।

सेड़वा में टीना डाबी ने सुनी जनसमस्याएं

दरअसल, जिला कलेक्टर टीना डाबी की सेड़वा उपखंड मुख्यालय पर रात्रि चौपाल चल रही थी। कलेक्टर परिवादियों की परिवेदनाएं सुना रही थीं। इस दौरान बाधा जोरापुरा गांव निवासी मांगीलाल पुत्र हुकमाराम परिवाद लेकर पहुंचा। उसमें हेलिकॉप्टर की व्यवस्था करवाने को लेकर लिखा हुआ था। उसमें लिखा कि मेरे घर पर आने-जाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेरी फसलें खेत में पड़ी है। उसको वहां से कई ले जा नहीं सकता, घर में अगर कोई बीमार हो जाता है तो उनको गाड़ी में नहीं ले जा सकते है उसको चारपाई पर उठाकर ले जाना पड़ता है।

'रास्ते में पीटीआई ने लगा दी फसल'

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि प्राइमरी स्कूल फुलासर से खंगारोंणी डइयालों की ढाणी तक पैमाइश के समय से रास्ता कटान है। मैंने एसडीएम को खुलवाने के लिए प्रार्थना-पत्र पेश किया था। तब पुलिस की मदद से रास्ता खुलवाया गया था, लेकिन रास्ते पर टीचर खेराजराम पुत्र कानाराम पीटीआई ने अतिक्रमण कर लिया है, तथा रास्ते की भूमि पर जीरा की फसल लगा दी।

एसडीएम बद्रीनारायण विश्नोई ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच करेंगे। साथ ही शिक्षा विभाग को पीटीआई को पाबंद करने के निर्देश दिए है। सात-आठ दिन में रास्ता खुलवाने का पीड़ित को आश्वासन दिया।

शेयर मार्केट में प्रॉफिट के बहाने 10 हजार-करोड़ की ठगी

ऐप से लोगों को फंसाया; जयपुर में करोड़ों के बंगले बनाए, लग्जरी कारें खरीदीं

राजस्थान के ठगों ने शेयर मार्केट में प्रॉफिट दिलाने के नाम पर 10 हजार करोड़ रुपए का स्कैम किया है। करीब आठ साल से मोबाइल ऐप के जरिए लोगों को फंसाने का काम चल रहा था।

सबसे ज्यादा ठगी महाराष्ट्र-कर्नाटक में की गई है। ठगी के लिए ऐप श्रीगंगानगर जिला के युवकों ने बनाई थी। मामले में श्रीगंगानगर पुलिस ने अंबिका एन्क्लेव सेकंड निवासी लाजपत आर्य व उसके बेटे दीपक आर्य नायक को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से 85 लाख की एक लग्जरी कार, 10 लाख नकद, 6 मोबाइल फोन और 3 सीपीयू जब्त किए हैं। आरोपियों ने श्रीगंगानगर के साथ जयपुर में भी करोड़ों रुपए के बंगले व दूसरी प्रॉपर्टी खरीदी हुई है। गैंग के 4 आरोपी फरार हैं। इनमें से एक लाजपत आर्य का बेटा अजय आर्य भी है।

'कैपमोर एफएक्स' नाम से एप बनाया

श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों ने कैपमोर एफएक्स नाम से सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन बना रखी थी। आरोपी लोगों को शेयर मार्केट में निवेश के तरीके सिखाते थे।

इसके लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र के शहरों में सेमिनार कर ग्राहकों को आकर्षित करते। 15 से 20 दिन की ट्रेनिंग देते और इसके बदले 10 से 15 हजार रजिस्ट्रेशन फीस लेते। फिर ऐप पर निवेश करवाते।

शुरुआत छोटे निवेश से, मुनाफा दे मोटी रकम लेते

आरोपी सॉफ्टवेयर पर पहले छोटे निवेश के खाते खोलते। उदाहरण के तौर पर 1,000 रुपए का खाता खोल निवेश करवाते। फिर ग्राहक को 1500 रुपए रिटर्न कर 500 रुपए का मुनाफा देते और मोटे निवेश के लिए तैयार करते। फिर इनको ही और ग्राहक लाने पर कमीशन का लालच देते थे।

प्रतिबिंब एप से मोबाइल और खाता नंबर पता चले

कटप्पा बाबू चौहान की आर से दर्ज मुकदमे में आरोपियों का एक मोबाइल नंबर बताया गया है। इस नंबर को भारत सरकार के प्रतिबिंब ऐप पर चेक किया।

पता चला कि इस नंबर पर कर्नाटक और महाराष्ट्र में 5 साइबर फ्रॉड की शिकायतें हैं। पहली शिकायत की छानबीन की तो 75 बैंक खाते सामने आए जिनमें करोड़ों रुपए रकम गई थी। कर्नाटक के व्यक्ति ने दर्ज कराया था केस

फ्रॉर्ड के मामले में कर्नाटक निवासी कटप्पा बाबू चौहान के परिवाद पर सदर थाने में आरोपियों पर 4.50 करोड़ रुपए की ठगी का मुकदमा दर्ज किया गया। जब सीओ सिटी ट्रेनी आईपीएस बी आदित्य ने जांच की तो यह स्कैम बहुत बड़ा निकला।

इस केस से जुड़े दूसरे आरोपियों के दुबई भागने की जानकारी है। इनमें दीपक का भाई अजय आर्य, श्रीगंगानगर निवासी सौरभ चावला, उसकी पत्नी सलोनी चावला, पंजाब के अबोहर के गांव वरियामखेड़ा निवासी बलजीतसिंह, कालियां निवासी कर्मजीत सिंह भी हैं। दावा किया जा रहा है ये पूरा स्कैम 10 हजार करोड़ से ज्यादा का है।

एसपी बोले- सभी की संपत्ति सीज की जाएगी

एसपी गौरव यादव ने बताया कि इस गिरोह में प्रत्येक सदस्य का पता लगाने को दो FIR दर्ज की हैं। एक पुरानी आबादी में जिसकी एसएचओ ज्योति और दूसरी सदर थाने में जिसकी जांच एसएचओ सुभाष जांच कर रहे हैं।

गिरोह में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की चल-अचल संपत्ति की जानकारी लेकर कोर्ट में इस्तगासा पेश किए जाएंगे। कोर्ट के आदेश से सभी को सीज करके नीलाम किया जाएगा। इस राशि को पीड़ितों को वापस लौटाकर राहत देंगे।

हिंदुस्तान की क़ौमी एकता का महान पर्व 76 वां गणतंत्र दिवस हम सबको है हिंदुस्तानी होने पर गर्व

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) गर्व से कहो हम हैं हिंदुस्तानी सांगानेर विधानसभा के कोने-कोने में 76 वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। हर स्कूल, हर ऑफिस,एवं हर गली-मोहल्ले में क़ौमी तिरंगा झंडा फहराया गया। हर एक की जुवां पर एक ही नारा सारे जहां से अच्छा हिन्दस्तां हमारा।हम बुलबुले हैं इसकी, यह गुलिस्तां हमारा। जयहिंद।

गरीबों के हमदर्द सुरेश चंद सेन पवार ने मनाया अपनों के साथ जन्मदिन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) सांगानेर की ऐसी संस्था जिसको सारा राजस्थान मानता है अपना। श्री मानव सेवा संस्थान सांगानेर के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंद्रसेन पंवार ने अपनो के संग कच्ची बस्तियों में जाकर खाना वितरण कर गरीब बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन। बच्चों को मिठाईयां बिस्किट बांट कर कमाया पुण्य। राजस्थान के हर जिलों से बधाईयां देने का सिलसिला मध्य रात्रि तक लगा रहा। संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा गीतांजलि होटल में शानदार पार्टी का प्रोग्राम रखा गया है। जिसमें सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सरना, दिशा संदेश मीडिया के चीफ एडिटर विकास डाबरा, पत्रकार चंद्रभान सक्सेना, पूनम, पवन शर्मा, सत्यनारायण चंदा एडवोकेट, दीपक कुमार डुलानी, समाज सेवी पवन ऐंचारा, हंगामा न्यूज़ के संपादक गणेश काला, समाजसेवी महेंद्र सिंह राठौड़, दीपक पडिहार, वीरेंद्र सेन नारोली, मुकेश भदादा, डॉक्टर हंसराज बेरवा, प्रेमचंद बेरवा, लखन डायरेक्टर माधव ग्रुप, लक्ष्मी नारायण सेन, रजनीश चौधरी, शुभम सिंह, रोहिताश सोनी, ऋतुराज अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अतुल गुप्ता, कजोड बेरवा, रितु सिंह, आशा वर्मा, दिव्यांशी शर्मा,और संस्था के सभी कार्यकर्ता एवं सभी मित्रगण उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो पुलिसकर्मियों सस्पेंड

दोस्त टीचर बचाने के लिए कांस्टेबल ने बनाया था फर्जी वीडियो, पीड़िता ने कर ली थी सुसाइड

भीनमाल| नमाल टीचर द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म मामले में कॉन्स्टेबल और ASI को जालोर SP ने सोमवार देर शाम सस्पेंड कर दिया। दोनों ने टीचर को बचाने के लिए पीड़िता से सहमति का जबरदस्ती वीडियो बनाया था। दुष्कर्म का आरोपी शिक्षक, कॉन्स्टेबल का दोस्त था। पीड़िता ने दो महीने बाद आत्महत्या कर ली थी। मामला जालोर के भीनमाल थाना क्षेत्र का है।

टीचर को जमानत मिलने पर दर्ज हुआ मामला

आरोपी शिक्षक को जमानत मिलने पर पीड़िता के पिता ने 21 जनवरी को दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ भीनमाल थाने में धारा 166 (क) (ख), 228 (क), पॉक्सो एक्ट की धारा 23 और जेजे एक्ट की धारा 74 में मामला दर्ज कराया था। एसपी ने डिप्टी से जांच करवाई थी।

पीड़िता के पिता ने एसपी को रिपोर्ट देकर बताया था कि 21 अक्टूबर 2023 को शिक्षक मंगलाराम विश्नोई ने दुष्कर्म किया था। पॉक्सो कोर्ट में कॉन्स्टेबल सुरेश कुमार ने सशपथ बयान दिया कि 22 अक्टूबर को पीड़िता का वीडियो बनाया था, जिसे उसने एएसआई किशनलाल को दिया था। आरोपी मंगलाराम के बयान के अनुसार यह वीडियो उसे व्हाट्सएप ग्रुप से मिला था। कॉन्स्टेबल सुरेश और मंगलाराम की ओर से वायरल वीडियो कोर्ट में पेश किया जा चुका है।

जिस दिन वीडियो बनाया गया था, उस समय तक पीड़िता के 161 और 164 के बयान नहीं हुए थे। एएसआई किशनलाल ने भी आरोपी को बचाने के लिए, जांच अधिकारी होते हुए, इस वीडियो को जांच रिपोर्ट में शामिल नहीं किया और कोर्ट के निर्णय से पहले ही आरोपी को दे दिया था। घटना के दो महीने बाद पीड़िता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

इधर, आरोपी शिक्षक को पुलिस ने 23 अक्टूबर को बाड़मेर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पाली ज्वाइंट डायरेक्टर कार्यालय ने उसे सस्पेंड कर दिया था।

वीडियो में कहलवाया था- मैं मर्जी से आई

जांच में सामने आया कि कॉन्स्टेबल सुरेश और आरोपी शिक्षक पहले से दोस्त थे। मामले को दबाने के लिए सुरेश और एएसआई किशनलाल, बाड़मेर में पीड़िता और आरोपी को दस्तयाब करने गए थे। इसी दौरान उन्होंने वीडियो बनाकर पीड़िता से कहलवाया कि वह अपनी मर्जी से आई थी। इसी वीडियो के आधार पर आरोपी को जमानत मिली थी।

जमानत मिलने के बाद आरोपी और कॉन्स्टेबल सुरेश पीड़िता के घर भी गए थे। कोर्ट से मिले वीडियो के आधार पर जांच की गई, तो सामने आया कि पीड़िता से जबरन कहलवाया गया था।

प्रॉपर्टी के लिए 10 साल बड़ी भाभी से अफेयर

सोते समय करंट देकर मारने की कोशिश, नाकाम रहे तो गाड़ी से कुचला, पार्ट-2

कृष्ण कुमार के एक्सीडेंट को लेकर शुरुआत में अशोक और पवन मेघवाल जब एक जैसी कहानी सुना रहे थे। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो दोनों टूट गए।

कबूल कर लिया कि हत्या के मकसद ने उन्होंने कृष्ण कुमार की बाइक को टक्कर मारी थी। हत्या किसने कराई? इस सवाल का जवाब पुलिस के लिए भी हैरान कर देने वाला था।

अशोक और पवन ने बताया कि हत्या की साजिश कृष्ण कुमार की पत्नी कुसुमलता और उसके चचेरे भाई सन्नी ने रची थी। कुसुमलता और कृष्ण कुमार के चचेरे भाई सन्नी के अवैध संबंध थे।

यही नाजायज रिश्ता कृष्ण कुमार की हत्या की वजह बना।अशोक और पवन मेघवाल से पूछताछ में हुए खुलासे के बाद पुलिस ने हत्याकांड में शामिल सन्नी और कुसुमलता को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

भाभी से अफेयर कर हड़पना चाहता था करोड़ों की प्रॉपर्टी

हरियाणा के नांगल चौधरी इलाके के भुंगारका गांव में कृष्णकुमार यादव पत्नी कुसुमलता (35 वर्ष) के साथ रहता था। कृष्ण कुमार की 4 बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी थी।

वे सब अपनी ससुराल में थी। पिता की ऑन ड्यूटी मौत होने के बाद कृष्ण कुमार की आश्रित कोटे में सरकारी स्कूल में क्लर्क पद पर नौकरी लग गई थी। कृष्ण इकलौता बेटा था।

कृष्ण कुमार के पड़ोस में उसके चाचा मुकेश यादव रहते थे। उनका बड़ा बेटा सन्नी 10वीं कक्षा में फेल हो गया तो उसने स्कूल छोड़ दिया। वह कोई काम नहीं करता था। कृष्ण कुमार के परिवार के ठाठ-बाट देखता तो उसे जलन होती थी।

कृष्ण कुमार के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति थी। सन्नी ने कुसुमलता को प्यार के जाल में फंसा कर कृष्ण कुमार को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

उसने सोचा कि कृष्ण कुमार को रास्ते से हटाकर वह कुसुमलता से शादी कर लेगा और करोड़ों की प्रॉपर्टी का मालिक बन जाएगा। सन्नी ने अपने छोटे भाई की शादी करा दी थी, लेकिन खुद शादी नहीं की थी। उसकी नजर चचेरे भाई की करोड़ों की प्रॉपर्टी पर थी।

3 साल पहले से रच रहा था साजिश

कृष्ण कुमार के मर्डर से तीन साल पहले सन्नी ने अपनी प्लानिंग को अंजाम देना शुरू कर दिया। कुसुमलता उम्र में सन्नी से 10 साल बड़ी थी। कृष्ण कुमार और सन्नी के घर पास-पास में थे।

कृष्ण कुमार ड्यूटी पर चला जाता कुसुमलता घर में अकेली रह जाती थी। सन्नी बहाने से वहां चला जाता। इस तरह दोनों एक दूसरे के करीब आ गए। कुसुमलता अवैध रिश्ते में इतनी आगे चली गई कि वह अपने पति की हत्या तक के लिए तैयार हो गई।

एक बार सन्नी ने कुसुमलता से कहा था, 'कुसुम, तुम रात में अपने पति को करंट देकर मार डालो। इसके बाद हम दोनों के बीच कोई तीसरा नहीं होगा।

पति की जगह तुम्हारी नौकरी भी लग जाएगी। फिर मैं तुमसे शादी कर लूंगा। हम मौज की जिंदगी जीएंगे।' कुसुमलता आसानी से सन्नी की बात मान गई और पति को रास्ते से हटाने की प्लानिंग करने लगी।

एक रात कृष्ण कुमार गहरी नींद में था। तब कुसुमलता ने उसे बिजली का करंट दिया। कृष्ण कुमार को झटका लगा तो वह जाग गया। इस पर कुसुमलता ने कूलर में करंट आने का बहाना बना दिया।

पत्नी पर नजर रखने लगा कृष्ण कुमार

कुसुमलता ने ये बात सन्नी को बताई। कहा कि- 'तुम ही यह काम किसी से करवा दो। मैं तुम्हारे साथ हूं।' कुसुमलता और सन्नी जल्द से जल्द कृष्ण कुमार को रास्ते से हटाना चाहते थे। कृष्ण के ड्यूटी जाने के बाद दोनों वॉट्सऐप कॉलिंग पर बातचीत करते थे।

एक दिन सन्नी और कुसुमलता के संबंधों की जानकारी किसी ने कृष्ण कुमार को दे दी। बीवी और चचेरे भाई के संबंधों की बात सुन कर कृष्ण कुमार आग बबूला हो गया। उसने कुसुमलता से बात की।

कुसुमलता अपना झूठ छिपाने के लिए रोने-चिल्लाने लगी। कृष्ण कुमार ने उस वक्त तो कुछ नहीं कहा, लेकिन उसके मन में शक पैदा हो चुका था। ऐसे में वह सन्नी और कुसुमलता पर नजर रखने लगा।

कुसुमलता ने सन्नी को अलर्ट कर दिया कि उसके पति को उन दोनों पर शक हो गया है। कृष्ण कुमार ने सन्नी को अपने घर आने से भी मना कर दिया था।

इसके बाद दोनों छिप कर मिलने लगे। सन्नी और कुसुमलता को हमेशा डर रहता था कि कोई उनके बारे में कृष्ण कुमार को बता न दे।

अब भी कोर्ट में है केस, सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में

31 मार्च को अशोक और पवन मेघवाल स्कॉर्पियो लेकर जखराना आए लेकिन उस दिन कृष्णकुमार ड्यूटी पर नहीं गया। ऐसे में वो कामयाब नहीं हुए।

अगले दिन 1 अप्रैल को सुबह 7:30 बजे कृष्ण कुमार अपने गांव भुंगारका से ड्यूटी पर जाने के लिए निकला। यह जानकारी कुसुमलता ने सन्नी को दी। सन्नी ने अशोक को तैयार रहने के लिए कहा।

अशोक गाड़ी में पवन को ले कर जखराना बस स्टैंड पहुंच गया। जैसे ही कृष्ण कुमार बाइक से जखराना बस स्टैंड से स्कूल की ओर जाने लगा। अशोक ने स्कॉर्पियो से कृष्ण कुमार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कृष्ण कुमार उछल कर दूर जा गिरा।

कृष्ण लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ा तड़प रहा था। अशोक ने गाड़ी घुमाई और कृष्ण कुमार का सिर कुचलते ही चला गया। कृष्ण कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पूछताछ के बाद कुसुमलता, सन्नी यादव, अशोक यादव और पवन मेघवाल को बहरोड़ कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। फिलहाल बहरोड़ के एडीजे कोर्ट-2 में मामला चल रहा है, सुनवाई अंतिम फेज में है।

चाइल्ड आर्टिस्ट्स

कोई भी राष्ट्रीय पर्व आता है तो बच्चे एक अलग ही जोश से भर जाते हैं। वे देशप्रेम से ओत-प्रोत हो जाते हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बालभूमि ने कुछ टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स से पूछा कि उन्हें अपने देश में कौन-कौन सी विशेषताएं बहुत अच्छी लगती हैं? देश को मजबूत बनाने के लिए उनके क्या प्रयास हैं? बड़े होकर वे देश के लिए क्या करना चाहेंगे? इन्होंने जो जवाब दिए, हर बच्चे के लिए बहुत ही इंस्पायरिंग हैं।

करना है कुछ अपने देश के लिए

अपनी पेंटिंग्स से पॉजिटिविटी फैलाना चाहती हूं : आरिया सकारिया

सोनी सब के शो 'तेनाली रामा' में लछम्मा की भूमिका में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाली आरिया सकारिया देश को लेकर अपनी भावनाएं कुछ ऐसे व्यक्त करती है, 'मुझे अपने भारत की विविधता में एकता सबसे ज्यादा भाती है। भाषाएं, रहन-सहन, त्योहार, संस्कृति ये सब अलग-अलग होने के बावजूद हम सभी एक साथ मिलजुल कर रहते हैं, यही विविधता में एकता वाली भावना हमारे देश की खास पहचान है, खूबी है।'

आरिया एक्टिंग के साथ-साथ पेंटिंग भी करती है। वह अपनी पेंटिंग के माध्यम से कुछ बड़ा करना चाहती है। आरिया कहती है, 'मैं अपनी पेंटिंग्स के जरिए लोगों में पॉजिटिविटी पैदा करने की कोशिश करती हूं। मैं अपनी पेंटिंग्स के जरिए भारत की संस्कृति और परंपराओं को सबके सामने लाना चाहती हूं। इसके अलावा मैं आर्ट में इंटरेस्टेड गरीब बच्चों को पेंटिंग करना सिखाना चाहूंगी ताकि वे भी कुछ क्रिएटिव करें और खुश रहें।' *

कोशिश रहती है हर जगह रहे स्वच्छता : कविश खुंगर

कविश खुंगर शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में कान्हा की भूमिका बहुत ही प्रभावशाली ढंग से निभा रहा है। देश के लिए अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए वह कहता है, 'हमारे देश में हर जाति-धर्म, के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। जरूरत के वक्त सब एक-दूसरे की मदद करते हैं। मुझे अपने देश की यही बात सबसे ज्यादा अच्छी लगती है।' कविश देश को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान देता रहता है। वह कहता है, 'मैं अभी छोटा हूं लेकिन हमेशा यही कोशिश रहती है कि अपने आस-पास हर जगह स्वच्छता रखूं। मैं कभी भी रास्ते पर कचरा नहीं फेंकता, जो कचरा फेंकता है उसे रोकता हूं। यह बात मैंने अपनी मां से सीखी है। वह हमेशा इसी तरह की अच्छी-अच्छी बातें मुझे सिखाती हैं। जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तो एक अच्छा एक्टर बनूंगा और अपनी एक्टिंग से अपने देश का नाम रोशन करूंगा।' *

शिक्षा और पर्यावरण के लिए काम करना चाहूंगा : आर्यन प्रजापति

एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन-पलटन' में हृतिक का किरदार निभाकर आर्यन प्रजापति ने दर्शकों को मोह रखा है। जब उससे अपने भारत की खूबियों की बात होती है तो वह मुस्कराते हुए कहता है, 'हमारे पूरे देश के त्योहार, रहन-सहन, खान-पान ये सब, जगह-जगह के हिसाब से अलग-अलग हैं, लेकिन हम साथ मिलकर खुशियां मनाते हैं। मुझे तो भारत के अलग-अलग हिस्सों से आए बच्चों से मिलना और उनकी कहानियां सुनना, उनके ट्रेडिशन और कल्चर के बारे में जानना बहुत पसंद है।'

आर्यन एक अच्छा नागरिक बनकर देश की तरक्की में अपना योगदान देना चाहता है। वह कहता है, 'अभी तो मैं छोटा हूं, लेकिन अपने देश को बेहतर बनाने के लिए छोटी-छोटी कोशिशें करता रहता हूं, जैसे स्कूल और घर के आस-पास सफाई का ध्यान रखना, कचरा हमेशा कूड़ेदान में डालना, पानी और बिजली की बर्बादी न करना और पेड़ लगाना। मेरी यह भी कोशिश रहती है कि जरूरतमंदों की मदद करूं। बड़े होकर मैं कोई ऐसा काम करना चाहूंगा, जिससे मेरे देश को गर्व हो। मैं शिक्षा और पर्यावरण के लिए काम करना चाहूंगा। मेरा सपना है कि हमारा भारत दुनिया का सबसे मजबूत और खुशहाल देश बने।' *

मैं देश में समानता का भाव लाना चाहता हूं : हनीश कौशल

जी टीवी के शो 'जागृति-एक नई सुबह' में आकाश का रोल प्ले कर रहे हनीश कौशल को अपने देश भारत में यूं तो बहुत सारी विशेषताएं दिखती हैं, लेकिन उसे सबसे बड़ी विशेषता लगती है अनेकता में एकता। हनीश कहता है, 'हमारे देश में कश्मीर से कन्याकुमारी तक अलग-अलग जाति, समुदाय के लोग रहते हैं और अनेक भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन हम सब एक हैं।' हनीश बड़े होकर एजुकेशन की फील्ड में कुछ बड़ा और अच्छा करना चाहता है। वह कहता है, 'मैं शो 'जागृति-एक नई सुबह' में आकाश का रोल प्ले कर रहा हूं, जिसमें मैं यह बता रहा हूं कि कोई भी जाति छोटी या बड़ी नहीं होती। हमें सबको एक समान समझना चाहिए। मैं देश में समानता के भाव लाना चाहता हूं। जैसे मैं अपने शो में जागृति को सपोर्ट कर रहा हूं, उसी तरह हम सबको एक-दूसरे का सहारा बनकर आगे बढ़ना चाहिए। मैं बड़े होकर कम से कम दस स्कूल खोलना चाहता हूं, जिसमें बच्चे फ्री में एजुकेशन पा सकें। *

उन बच्चों की मदद करना चाहती हूं जो स्कूल नहीं जा पाते : परी भानुशाली

सन नियो चैनल के शो 'साझा सिंदूर' में नायरा की भूमिका निभाकर परी भानुशाली ने सबका दिल जीत लिया है। वह गणतंत्र दिवस को लेकर काफी उत्साहित दिखती है। परी को अपने देश की कई सारी खूबियां बहुत पसंद हैं। वह ये खूबियां गिनाती है, 'अपने देश में इतने सारे फेस्टिवल्स हैं, जैसे- दिवाली, होली, ईद और क्रिसमस। मैं इन सभी फेस्टिवल्स को खूब एंज्वॉय करती हूं। भारत में अलग-अलग संस्कृति और प्रांत के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। मुझे अपने देश का खाना, यहां की ट्रेडिशनल ड्रेसेस, सुंदर जगहें, ये सब बहुत पसंद हैं। ऐसा लगता है, जैसे हमारा पूरा इंडिया एक हैप्पी फैमिली है।' परी अपने देश को मजबूत बनाने के लिए कुछ छोटे-छोटे प्रयास करती है, वह बताती है, 'मैं अपने घर और स्कूल को हमेशा साफ रखने की कोशिश करती हूं। यह भी सीख रही हूं कि नेचर और एनवॉयर्नमेंट को सेफ कैसे रखना है? मैं पेड़ लगाने और पानी बचाने का महत्व समझने लगी हूं।' बड़े होकर परी उन बच्चों की मदद करना चाहती है, जो स्कूल नहीं जा पाते। वह आगे कहती है, 'मैं चाहती हूं कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले। मुझे लगता है कि हमारे छोटे-छोटे अच्छे काम हमारे भारत को बेहतर और खुशहाल देश बना सकते हैं।' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

जीके क्विज- 138

1. हाल ही में मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार पाने वाले हरमनप्रीत सिंह का संबंध किस खेल से है?
2. पूर्व सेना प्रमुख जनरल वी. के. सिंह किस राज्य के राज्यपाल बनाए गए हैं?
3. इस साल 2025 में क्रमानुसार कौन-सा गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है?
4. इस साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि कौन होंगे?
5. भारत का संविधान तैयार करने में कुल कितना समय लगा था?
6. भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष कौन थे?
7. भारतीय संविधान में कितने मूल अधिकार शामिल हैं?
8. 'जन गण मन' को राष्ट्रगान कब घोषित किया गया था?
9. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' किसने लिखा था?
10. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

बच्चों, जीके क्विज-138 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-137 का उत्तर : 1.प्रयागराज, 2.बृहस्पति, 3.ब्रेन रोट, 4.केरल, 5.विटामिन ए, 6.सवाई जय सिंह, 7.गुग्लिल्मो मार्कोनी, 8.हड्डी, 9.अमर प्रीत सिंह, 10. 23.5 डिग्री

जीके क्विज-137 का सही उत्तर देने वाले : गुंजा-रायपुर, शिवांगी-बिलासपुर, कबीर-हिसार, सूरज-मुंगेली, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, चिन्मय-रोहतक, आदित्य-बालोद, कविता-भोपाल, रोहित-मटियारी, साकेत-बेमेतरा, किंशुक-दुर्ग, अक्षय-बेमेतरा, रोहित-भोपाल, कविता-बलौदा बाजार

बूझो तो जानें

1 तीन रंगों बना तिरंगा,
है इसकी पहचान।
बीच चक्र उन्नति का मानो,
अपना देश महान।

2 आर्यावर्त नाम था प्यारा,
विश्व गुरु भी कहलाया।
पूरे विश्व में नाम का आपने,
लोहा भी मनवाया।

3 माह जनवरी में इक आता,
राष्ट्र पर्व है पावन।
मिल जुल कर सब इसे मनाते,
पर्व बहुत मनभावन।

-कमलेंद कुमार श्रीवास्तव

उत्तर : 1.राष्ट्र ध्वज, 2.भारत, 3. गणतंत्र दिवस

कहानी

हरीश कुमार 'अमित'

सुदीप इस बात से बहुत खुश था कि इस बार उसकी बर्थ-डे पार्टी में उसके आर्मी ऑफिसर पापा घर में मौजूद रहेंगे। वह ज्यादातर घर से दूर देश में किसी ना किसी जगह जरूरी ड्यूटी पर होते हैं। सुदीप ने पापा के साथ मार्केट जाकर बहुत उत्साह से एक स्पेशल केक का ऑर्डर दिया था। लेकिन तभी एकाएक पापा को किसी जरूरी मिशन पर जाना पड़ा। क्या सुदीप ने अपना बर्थ-डे सेलिब्रेट किया, केक काटा?

ऑपरेशन केक

सुदीप इन दिनों बहुत खुश था, क्योंकि इस बार उसके जन्मदिन पर पापा उसके साथ होने वाले थे। ऐसा बहुत कम होता है कि उसके जन्मदिन पर उसके पापा उसके साथ हों। सुदीप के पापा सेना में अधिकारी हैं। आमतौर पर ऐसा होता है कि छब्बीस जनवरी को होने वाले उसके जन्मदिन पर वे अपनी नौकरी के कारण घर से बहुत दूर होते हैं। कई बार तो घर में यह पता ही नहीं होता था कि वे उस दिन हैं किस जगह पर। लेकिन इस बार उसके पापा उसके जन्मदिन से कुछ दिन पहले पंद्रह दिन की छुट्टी पर घर आए हुए थे।

पच्चीस जनवरी की शाम को सुदीप अपने मम्मी-पापा के साथ बाजार गया। सबसे पहले वे कंफेक्शनरी की दुकान पर गए, जहां सुदीप ने अपना मनपसंद केक चुना, जो अगले दिन तक तैयार होना था। इसके बाद उन लोगों ने जन्मदिन मनाने के लिए कई तरह का दूसरा सामान भी खरीदा। जब वे लोग वापस घर पहुंचे तो सुदीप बहुत खुश था। वह अपनी कल्पना में यह दृश्य देख रहा था कि वह जन्मदिन का केक काट रहा है। आस-पास खड़े उसके मम्मी-पापा और दोस्त 'हैप्पी बर्थ-डे टू यू' गाते हुए तालियां बजा रहे हैं।

रात को सोने से पहले तक सुदीप इन्हीं ख्यालों में खोया रहा। उसे नींद आई ही थी कि मम्मी ने उसे जगा दिया और बताया कि पापा को उनके ऑफिसर ने फोन करके तुरंत ड्यूटी पर वापस बुलाया है। वे जाने की तैयारी कर रहे हैं। यह सुनते ही सुदीप एकदम से उठकर बैठ गया, बोला, 'लेकिन मम्मी, पापा को तो अभी एक हफ्ते तक यहीं रहना था न! उनकी छुट्टी थी!' 'वो ठीक है बेटा, लेकिन अगर उन्हें तुरंत बुलाया गया है तो जाना ही होगा न, सेना के लोगों को जरूरत पड़ने पर जाना ही पड़ता है, उनके लिए देश के काम सबसे पहले होते हैं, बाकी काम बाद में।' मम्मी ने प्यार से समझाया।

सुदीप बिस्तर से उतरकर उस कमरे में गया, जहां पापा अपना सामान अटैची में रख रहे थे। रुआंसी आवाज में वह उनसे बोला, 'पापा, आप क्यों जा रहे हैं आज ही? एक दिन और नहीं रुक सकते क्या? कल तो मेरा बर्थ-डे है।'

'बेटा, मेरा जाना बहुत जरूरी है। जरूर कोई ऐसी बात होगी जो हमारी जरूरत पड़ी है, देश की सुरक्षा और सेवा के लिए हमें सदैव तैयार रहना चाहिए। यह तो हमारा फर्ज है।' पापा ने जवाब दिया।

'किसी ऑपरेशन के लिए जाना है क्या पापा?' सुदीप ने पूछा। उसे मालूम था कि देश के किसी बड़े काम को सेना वाले ऑपरेशन कहते हैं।

'बेटा, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता, बस बुलाया गया है, इसलिए तुरंत जा रहा हूं।' पापा ने कहा और फिर से अपनी तैयारी में लग गए। कुछ घंटे पहले जो सुदीप इतना खुश था, अब बहुत उदास हो गया। उसने तो क्या-क्या सपने देखे थे कि इस बार उसके जन्मदिन पर उसके पापा साथ होंगे तो कितना मजा आएगा लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा था।

कुछ देर बाद पापा ने टैक्सी बुलाई और एयरपोर्ट के लिए निकल गए।

उनके जाने के बाद मम्मी ने सुदीप को सो जाने के लिए कहा। सुदीप बिस्तर पर लेट तो गया, लेकिन उसे नींद नहीं आ रही थी। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि ऐसा कैसे हो गया। उसके जन्मदिन पर उसके पापा यहां होते तो कितना अच्छा होता। पिछले साल भी उसके पापा उसके जन्मदिन पर उसके साथ नहीं थे। यही सब सोचते-सोचते उसे नींद आ गई।

सुबह होने पर मम्मी ने उसे जगाया तो बड़े उदास स्वर में वह बोला, 'मम्मी, पापा तो होंगे नहीं आज घर में, तो बर्थ-डे भी क्या मनाना है!'

'अरे बेटा, ऐसा थोड़े ही कहते हैं। बर्थ-डे तो मनाना ही है तुम्हें। तुमने अपने सारे दोस्तों को भी तो बुलाया हुआ है।' मम्मी बोलीं। 'नहीं मम्मी, मेरा मन नहीं कर रहा बर्थ-डे मनाने के लिए। मैं सब दोस्तों को फोन करके मना कर दूंगा आने के लिए। हमने केक का जो ऑर्डर दिया है, वह भी कैंसिल करवा देंगे।' कहते हुए सुदीप ने करवट बदल ली। उसकी आंखों से आंसू बहने लगे।

मम्मी ने उसे बहुत समझाया, लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। थक-हारकर मम्मी रसोई में चली गईं।

कुछ देर बाद सुदीप को फिर नींद आ गई। नींद में उसे एक सपना आया। सपने में उसके पापा उससे कह रहे थे, 'बेटा, हम लोग देश की सुरक्षा से जुड़े किसी बड़े काम के लिए जा रहे हैं।' पापा हंसकर आगे बोले, 'ऑपरेशन का नाम है ऑपरेशन केक! तुम भी शाम को अपने बर्थ-डे पर केक काटकर ऑपरेशन केक पूरा करना।'

तभी सुदीप की नींद खुल गई। कुछ देर तक वह सपने के बारे में सोचता रहा और फिर अचानक वह उत्साह से भर उठा, 'अरे! यह कितने प्राउड की बात है पापा देश के लिए किसी बड़े काम पर जा रहे हैं।' सुदीप ने रसोई में मम्मी के पास जाकर बड़े उत्साह भरे स्वर में सपने वाली बात बताई, 'मम्मी, शाम को मैं बर्थ-डे मनाऊंगा और ऑपरेशन केक पूरा करूंगा। उधर पापा भी देश के लिए कोई बड़ा काम करने के लिए निकले हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए जरूरी होगा।'

सुदीप की बात सुनकर मम्मी मुस्कुरा पड़ीं, उन्होंने प्यार से उसे गले लगा लिया। *

कविता

गौरीशंकर वैश्य विनम्र

हमें देश प्राणों से प्यारा

विश्व पटल पर भारत चमके
जैसे जगमग ध्रुवतारा।।
हमें देश प्राणों से प्यारा
हम भारत के बच्चे हैं।
मातृभूमि के लिए समर्पित
वीर बहादुर सच्चे हैं।
सिंह सपूतों की दहाड़ से
भय खाता अरिदल सारा।।
कभी नहीं कम होने देंगे
जनगणमन की शान को।
बाह्य और अंतर खतरों से
आंच न आए आन को।
प्रेरित करता संघर्षों हित
'वंदेमातरम' का नारा।।
श्रम, विज्ञान, कला-कौशल से
उन्नत देश बनाना है।
बहु संस्कृतियों के फूलों से
नव उद्यान सजाना है।
ध्वजा तिरंगा लहराता है
बहती देशभक्ति-धारा।।

रंग भरो-167

रंग भरो-167 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

हिमांक, दुर्ग

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

केशव, कोरबा

तेजस, रायपुर

मायरा, बलौदा बाजार

शौर्य, रोहतक

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

अहाना-रतनपुर, डॉली-मटियारी, रितेश-मटियारी, हनी-दुर्ग, सौम्या-दुर्ग, कार्तिक-खैरागढ़, प्रगति-बिलासपुर, सार्थक-रायपुर, शौर्य-रोहतक, सौम्य-बालोद, वैभव-दुर्ग, वाणी-रायपुर, वसनिक-रायपुर, वेदिका-बालोद, अमितेश-रायगढ़, कुनिका-बिलासपुर

रंग भरो 168

बच्चों, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में तीन बच्चे रिपब्लिक-डे के अवसर पर हमारे नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

रास्ता बताओ

बच्चों, अजय और पाखी गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने जा रहे है। आनंद को भी उन दोनों के साथ इस समारोह में शामिल होना है, लेकिन अजय-पाखी तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम आनंद को उन दोनों तक पहुंचने का रास्ता बताओ।

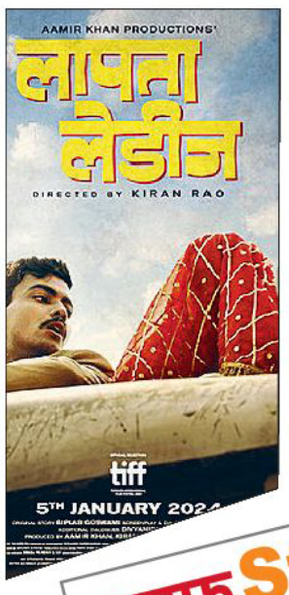

जापान में चमकी 'लापता लेडीज'

नई दिल्ली। किरण राव निर्देशित और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'लापता लेडीज' अपनी रिलीज के बाद से ही लोगों का दिल जीत रही है। और अब, इस फिल्म को जापान अकादमी फिल्म पुरस्कार 2024 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के विजेता की घोषणा 14 मार्च को पुरस्कार समारोह के दौरान की जाएगी। 'लापता लेडीज' के अलावा इस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने वाली अन्य फिल्मों में क्रिस्टोफर नोलन की 'ओपेनहाइमर', योर्गोस लैंथिमोस की 'पुअर थिंग्स', जोनाथन ग्लेजर की 'द जोन ऑफ इंटरेस्ट' और एलेक्स गारलैंड की 'सिविल वॉर' शामिल हैं।

लाइफ Style

श्रुति

अभिनेत्री के साथ बेहतरीन सिंगर भी

एजेंसी ⏭ मुंबई

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। श्रुति हासन का पूरा नाम श्रुति राजलक्ष्मी हासन है। श्रुति का जन्म 28 जनवरी 1986 को तमिलनाडु में हुआ। श्रुति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बॉलीवुड फिल्म 'लक' से की थी।

यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बिल्कुल भी नहीं चली और इसके बाद श्रुति ने अपना रुख साउथ की फिल्मों की ओर कर लिया। वैसे श्रुति अभिनेत्री होने के साथ ही बेहतरीन सिंगर भी हैं। कमल और सारिका ने साल 1988 में शादी की थी। कथित तौर पर श्रुति का जन्म उनकी शादी से दो साल पहले ही हो चुका था। कमल और सारिका शादी से पहले लिव-इन में रहते थे। श्रुति की पहली फीचर फिल्म में उपस्थिति एक बाल कलाकार के रूप में थी, जिसमें उन्होंने अपने पिता कमल हासन की तमिल-हिंदी द्विभाषी फिल्म हे राम में वल्लभभाई पटेल की बेटी की छोटी सी भूमिका निभाई थी। साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार कमल हासन की बेटी और अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने माता-पिता के तलाक के बारे में बात की थी। कथित तौर पर उन्होंने बताया कि जिस वक्त उनका तलाक हुआ था, वह समय पूरे परिवार के लिए बहुत मुश्किलों भरा था। 20 साल शादी के बाद जब दोनों अलग हुए तो श्रुति ने कहा कि तलाक लेने का फैसला केवल बच्चों के ही लिए नहीं, बल्कि पेरेंट्स के लिए भी बेकार होता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रुति ने एक इंटरव्यू में कहा था कि पेरेंट्स के तलाक के बाद ही उन्हें आत्मनिर्भर का मतलब समझ आया।

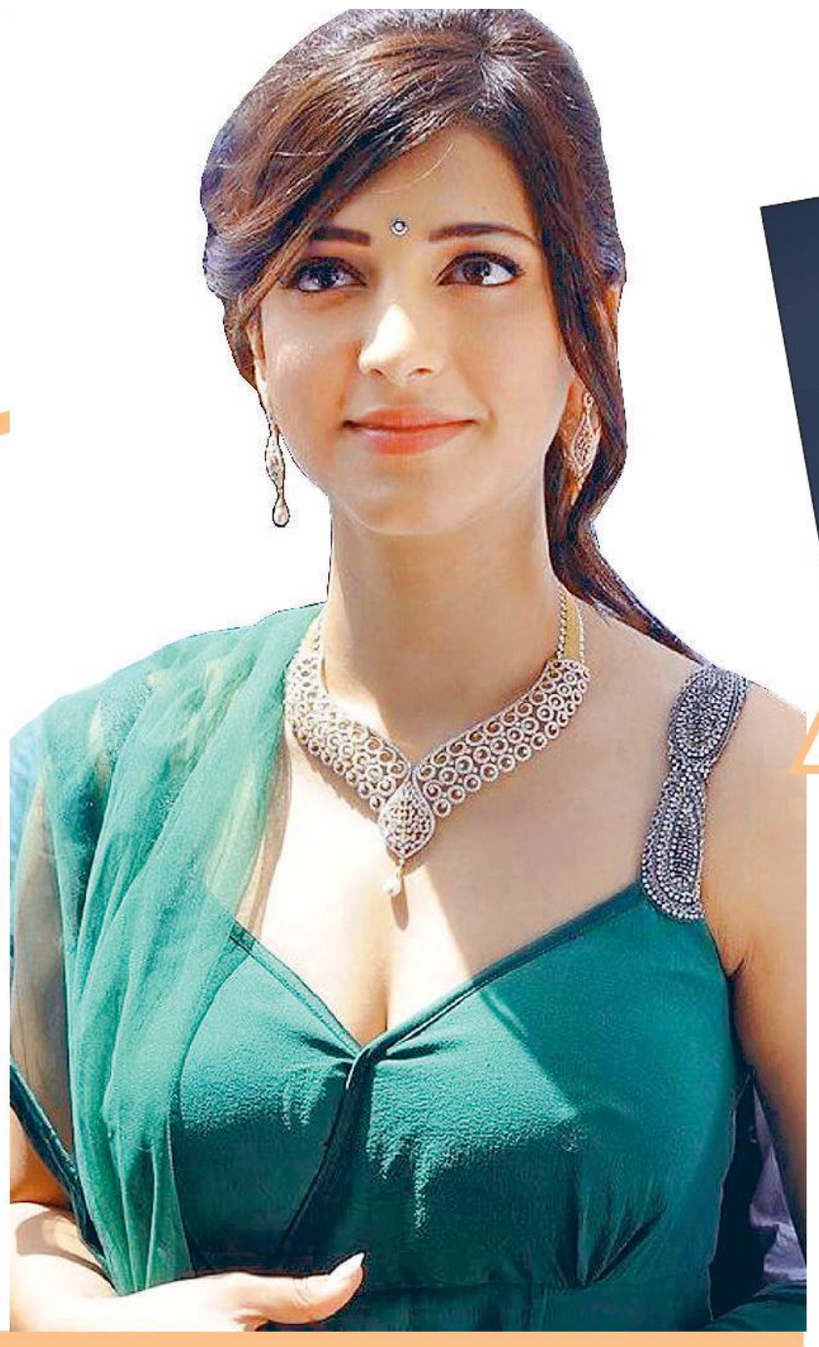

हॉलीवुड मसाला

'द शैडोज एज' की शूटिंग पूरी

लॉस एंजिल्स। एक्शन स्टार जैकी चैन ने अपनी आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म द शैडोज एज की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म में उनके साथ साउथ कोरियाई बैंड सेवेंटीन के सदस्य जून भी नजर आएंगे। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का निर्देशन लैरी यांग ने किया है। इससे पहले वह साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म राइड ऑन बना चुके हैं। इस फिल्म में झांग जी फेंग, टोनी लेउंग का-फई और अन्य कलाकार भी हैं।

कॉपीराइट विवाद में बड़ा झटका...

मुंबई। मद्रास उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री नयनतारा के खिलाफ धनुष के कॉपीराइट मुकदमे को खारिज करने की नेटफ्लिक्स इंडिया की याचिका को खारिज कर दिया है। यह मुकदमा धनुष द्वारा निर्मित तीन सेकंड की फिल्म क्लिप को नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में उनकी सहमति के बिना इस्तेमाल करने से शुरू हुआ है। पिछले साल नवंबर में धनुष ने नयनतारा, उनके पति विग्नेश शिवन और उनके प्रोडक्शन हाउस राउडी पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि फिल्म निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स ओरिजिनल नयनतारः बियॉन्ड द फेयरी टेल में धनुष की फिल्म 'नानुम राउडी धान' के दृश्यों का इस्तेमाल किया है।

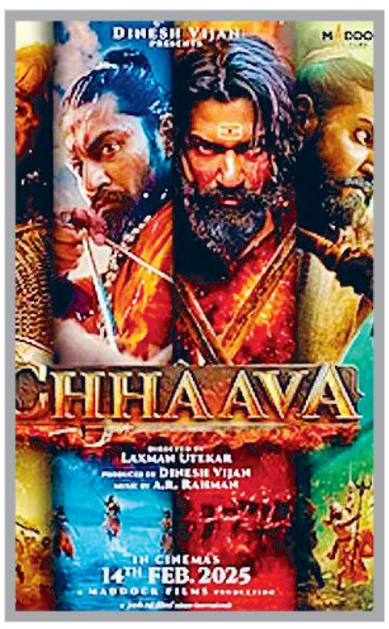

'छावा' रूस में भी होगी रिलीज...

मुंबई। फिल्म 'छावा' को अब भारत के अलावा कथित तौर पर रूस में भी रिलीज किया जा रहा है। इस फिल्म को बड़े पैमाने पर रूस में रिलीज किया जाएगा। इस रिलीज को और भी रोमांचक बनाने वाली बात यह है कि देश में रिलीज होने वाली कई अन्य भारतीय फिल्मों के विपरीत, छावा भारत और रूस दोनों में एक साथ रिलीज होगी। इसकी एक साथ रिलीज ने दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म रूस में कैसा प्रदर्शन करती है। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया गया है, जबकि यश राज फिल्म्स इसके अंतर्राष्ट्रीय वितरण का काम संभालेगी। फिल्म का साउंडट्रैक एल्बम एआर रहमान ने तैयार किया है, जबकि गाने इरशाद कामिल द्वारा लिखे गए हैं।

इंटरस्टेलर का भारत में दिख रहा जबर्दस्त क्रेज

लॉस एंजिल्स। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म इंटरस्टेलर भारत में एक बार फिर से रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 7 फरवरी को सीमित समय के लिए बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। इसकी वापसी को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक फिल्म के एक लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म के निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'एक लाख+ टिकट बिक चुके हैं और गिनती जारी है! अंतरिक्ष और समय के सफर की यात्रा जारी है।' इंटरस्टेलर की कहानी उस भविष्य के समय पर आधारित है जब पृथ्वी इंसानों के रहने के लिए अयोग्य हो जाती है।

टीवी मसाला

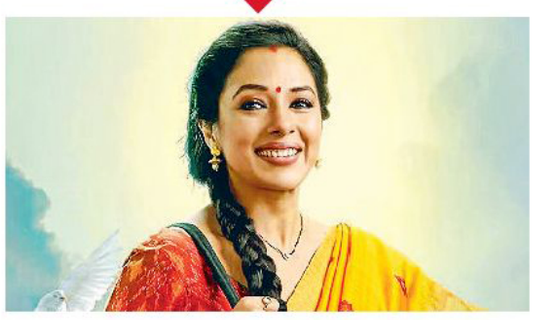

अनुपमा में आया हाई वोल्टेज सास-बहू ड्रामा

नई दिल्ली। टीवी सीरियल अनुपमा के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो वीडियो मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। सीरियल के बुधवार के एपिसोड में आप देखेंगे कि अनुपमा और उसका पूरा परिवार जब पहली बार कोठारी निवास पहुंचा होगा, तब राही को आरती करनी होगी। अनुपमा बड़ी चालाकी से अपनी बेटी को आरती और पूजा के स्टेप बताती जाएगी और वह एक-एक करके सब कुछ कर लेगी। सभी लोग राही से बहुत प्रभावित होंगे। लेकिन फिर जब सभी साथ में बैठे होंगे तब नाश्ते के दौरान शुरू हो जाएगा इशारों-इशारों में अपने अंदर का जहर उगलने का सिलसिला। सबसे पहले पराग कोठारी तलाक की बात छेड़ेगा। वह इशारों-इशारों में अपने बेटे प्रेम को यह बताना चाह रहा होगा कि वह अभी भी चाहे तो राही और इस फटीचर परिवार से मुक्ति पा सकता है। साथ ही साथ उसका इशारा अनुपमा की ओर भी होगा कि वह ऐसा ना समझे कि प्रेम की क्योंकि उससे घर में शादी हो गई है तो वह जो मर्जी चाहे कर सकती है। पराग कोठारी और उसके परिवार के पास हमेशा ही उनके बेटे का तलाक करवाने के बाद अनुपमा के परिवार से अलग होने का विकल्प उपलब्ध है। बात आगे बढ़ेगी और मोटी बा शादी के बाद बहू को कैसे रहना चाहिए, इस बारे में ज्ञान देना शुरू कर देगी। वह बताएगी कि लड़कियों को लड़कियों की तरह रहना चाहिए।

कशिश ने वीडियो शेयर कर मांगी माफी

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' की कंटेस्टेंट कशिश कपूर ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में कशिश माफी मांगती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं, कशिश ने वीडियो में 'बिग बॉस 18' के फिनाले और शो के विनर पर अपने थॉट्स भी शेयर किए हैं। कशिश ने वीडियो में कहा, 'रजत दलाल का तीसरे नंबर पर एविक्ट होना बहुत शॉकिंग था पर ठीक है। अब जिसके तकदीर में जो लिखा है उसे वो मिला। हम तकदीर बदल नहीं सकते तो हमें जो भी रिजल्ट आया उसे एक्सेप्ट कर लेना चाहिए।' कशिश ने आगे कहा, 'विवियन दूसरे नंबर पर था। उसको मैं बहुत सारी बधाई देना चाहती हूं। करण शो जीत गया। मैं करण को पर्सनली पसंद नहीं करती हूं पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, अगर कोई जीतता है तो हमें उसकी रिस्पेक्ट करनी चाहिए। कशिश ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'मेरी बिग बॉस की जर्नी जैसी भी थी अच्छी थी। हां, मुझे पता है मेरी बहुत सारी चीजें आपको बिल्कुल पसंद नहीं आई होंगी। मैंने बहुत बकवास की होगी बहुत जगह और उसके लिए मैं काफी शर्मिंदा हूं।

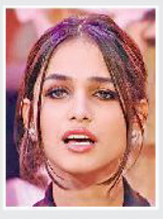

पहनी राम जन्मभूमि वॉच घड़ी में दिखे भगवान..

मुंबई। अभिषेक बच्चन के लेटेस्ट पोस्ट में उनके हाथ पर बंधी घड़ी ने सबका ध्यान खींचा है। सीधे हाथ पर बंधी ये घड़ी अपनी खासियत और दाम को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल, तस्वीरों में अभिषेक राम जन्मभूमि वॉच पहने दिख रहे हैं। घड़ी का रंग केसरिया है। इसकी डिटेलिंग देखेंगे तो राम भक्तों का दिल इस पर आ सकता है। हालांकि, कीमत सुनकर कुछ का दिल भी टूट सकता है। इस घड़ी के अंदर हनुमान, राम और अयोध्या का राम मंदिर दिख रहा है। घड़ी केसरिया रंग की है। Jacob & co. की इस Epic X Ram Janmbhoomi Titanium Edition 2 Watch की कीमत ऑनलाइन 34 लाख रुपए दिखाई दे रही है। इंट्रेस्टिंग बात है कि अभिषेक के दूसरे हाथ में भी एक घड़ी है। अमिताभ बच्चन को भी अक्सर दो घड़ियां पहने देखा जा सकता है। अभिषेक बच्चन पहले एक इंटरव्यू में बता चुके हैं कि दो घड़ियां पहने की परंपरा उनकी मां ने शुरू की थी। वह तब यूरोप के बोर्डिंग स्कूल में थे तो दो जगहों के टाइम जोन्स का पता रखने के लिए बच्चन फैमिली दो घड़ियां पहनने लगी। अब मोबाइल पर समय देखते हैं लेकिन घड़ी वाली परंपरा को आज भी कायम रखा है।

दर्शकों को 'मीठा जहर' देकर शुरू किया सफर

नई दिल्ली। अपने दौर के मशहूर अभिनेता, निर्माता-निर्देशक सोहराब मोदी की 28 जनवरी को पुण्यतिथि थी। उन्होंने पारसी रंगमंच में भी काम किया और बतौर अभिनेता यहां से अपनी शुरुआत की। 2 नवंबर 1897 को जन्मे सोहराब मोदी का बचपन रामपुर में बीता। हिंदी सिनेमा में वे लौह पुरुष के रूप में मशहूर थे। उनकी अदाकारी ही नहीं, बल्कि आवाज भी काफी बुलंद थी।

ट्रैवलिंग गाइड से सिनेमा के लौह पुरुष तक का सफर : सोहराब मोदी पारसी थे, मगर वे जिस शैली में हिंदी और उर्दू बोलते थे दर्शक-श्रोता भौंचक रह जाते थे। कहा जाता है सोहराब मोदी अपने मिजाज की फिल्में बनाना जानते थे। सोहराब मोदी सबसे पहले अपने भाई केकी मोदी के साथ ट्रैवलिंग गाइड बन गए। फिर, 26 साल की उम्र में उन्होंने आर्या सुबोध थिएट्रिकल कंपनी की शुरुआत की। रंगमंच का पर्दा गिरते ही जनता खूब तालियां बजाती, लेकिन वह नाटक मूक थे। वर्ष 1935 में उन्होंने स्टेज फिल्म कंपनी शुरू की। इसके तहत उन्होंने 'खून का खून' और 'सईद ए हवस' शीर्षक वाली दो फिल्में बनाईं। हालांकि, दोनों ही फिल्में फ्लॉप रहीं। 1936 में उन्होंने मिनर्वा मूवीटोन फिल्म कंपनी शुरू की और पहली फिल्म बनाई 'मीठा जहर'।

'मीठा जहर' ने दी करियर को रफ्तार : सोहराब मोदी की फिल्म 'मीठा जहर' दर्शकों को पसंद आई। फिर मोदी ने 'पुकार' बनाई। फिल्म की कहानी मशहूर फिल्मकार कमाल अमरोही ने लिखी और इसमें सोहराब के साथ चंद्र मोहन और नसीम बानो ने अभिनय किया। फिल्म की वास्तविकता दर्शकों को बहुत पसंद आई और फिल्म ने कमाल कर दिया। कहा जाता है कि उस दौर में सोहराब मोदी 'पुकार' का रीमेक बनाना चाहते थे और दिलीप कुमार को जहांगीर के रोल के लिए साइन करना चाहते थे, लेकिन दिलीप नहीं चाहते थे कि उनकी तुलना पुकार के अभिनेता चंद्रमोहन से हो जो इस फिल्म से रातोंरात स्टार बन गए थे।

'पुकार' पर दौड़े दर्शक, मोदी ऐसे बने सिनेमा के 'सिकंदर'

बनाई देश की पहली टेक्नीकलर फिल्म

इसके अलावा सोहराब मोदी ने 'पृथ्वी वल्लभ', 'शीश महल', 'झांसी की रानी', 'मिर्जा गालिब' और 'कुंदन' जैसी फिल्में बनाईं। सोहराब मोदी की फिल्म 'झांसी की रानी' (1953) देश की पहली टेक्निकलर फिल्म रही। सोहराब ने हॉलीवुड तकनीशियनों की मदद से अपनी इस रंगीन फिल्म को बनाया। उन्होंने खुद इस फिल्म में राजगुरु का किरदार निभाया। फिल्म में झांसी की रानी का किरदार सोहराब मोदी की पत्नी मेहताब ने निभाया। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी।

ख्याल गायकी में ठुमरी का पुट डाला, जो सुनने वालों के कानों में घोल जाता था मिसरी

पंडित जसराज ने की थीं नई जुगलबंदियां और रागों की रचना

नई दिल्ली। *भारतीय शास्त्रीय संगीत के पुरोधाओं में शुमार प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की मंगलवार को 95वीं जयंती थी। पंडित जसराज का सबसे बड़ा योगदान शास्त्रीय संगीत को जनता के लिए सरल और सहज बनाना रहा जिससे उसकी लोकप्रियता बढ़ी। उन्होंने ख्याल गायकी में ठुमरी का पुट डाला, जो सुनने वालों के कानों में मिसरी घोल जाता था। वह बंदिश भी अपने जसरंगी अंदाज में गाते थे।*

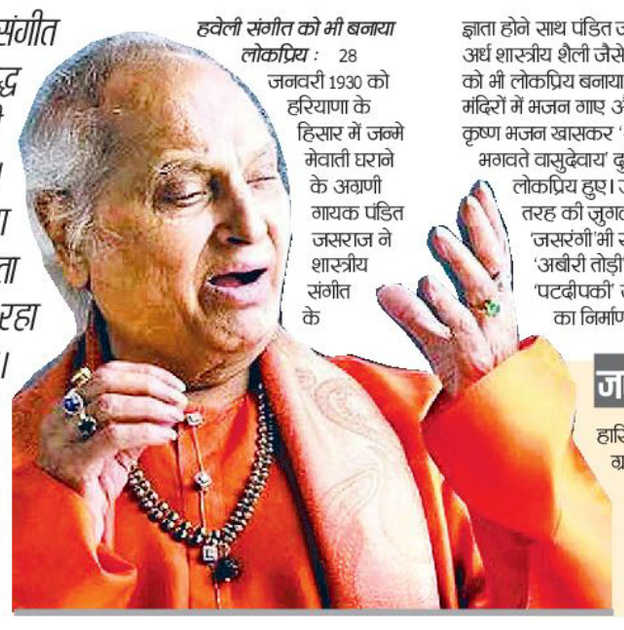

हवेली संगीत को भी बनाया लोकप्रिय : 28 जनवरी 1930 को हरियाणा के हिसार में जन्मे मेवाती घराने के अग्रणी गायक पंडित जसराज ने शास्त्रीय संगीत के ज्ञाता होने साथ पंडित जसराज ने अर्ध शास्त्रीय शैली जैसे हवेली संगीत को भी लोकप्रिय बनाया। उन्होंने मंदिरों में भजन गाए और उनके गाए कृष्ण भजन खासकर 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' दुनिया भर में लोकप्रिय हुए। उन्होंने नई तरह की जुगलबंदी 'जसरंगी' भी रची और 'अबीरी तोड़ी' व 'पटदीपकी' जैसे नए रागों का निर्माण किया।

जगजीत सिंह की गजल के रहे कायल

शास्त्रीय संगीतकार होने के बावजूद उन्हें नए दौर के संगीत से गुरेज नहीं था। वह दुनिया भर का संगीत सुनते थे और सराहते थे। जगजीत सिंह की गजल 'सरकती जाए रुख से नकाब' उनकी पसंदीदा थी और कहते हैं कि एक बार दिन भर में वह सौ बार इसे सुन गए थे। भारत, कनाडा, अमेरिका समेत दुनिया भर में संगीत सिखाने वाले पंडित जसराज खुद अपने शिष्यों से सीखने को लालायित रहते थे।

जसराज के ऊपर ग्रह का नाम

पंडित जसराज ने आठ दशक से अधिक के अपने सुनहरे सफर में यूं तो कई सम्मान और पुरस्कार हासिल किए, लेकिन साल 2019 में इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (**IAU**) ने अगस्त में सौरमंडल में एक छोटे ग्रह का नाम उनके नाम पर रखा। सितंबर 2019 में सौरमंडल में एक ग्रह का नाम उनके नाम पर रखा गया था। इंटरनेशनल एस्ट्रोनामिकल यूनियन :आईएयू: ने 'माइनर प्लेनेट' 2006 वीपी 32 (नंबर 300128) का नामकरण पंडित जसराज के नाम पर किया था, जिसकी खोज 11 नवंबर 2006 को की गई थी। यह सम्मान पाने वाले वह पहले भारतीय कलाकार बने। उनसे पहले सिर्फ मोजार्ट, बीथोवन और टेनर लूसियानो पावारोत्ति को यह सम्मान मिला था। उन्होंने इस बारे में कहा था, मुझे तो ईश्वर की असीम कृपा दिखती है। सूर्य की प्रदक्षिणा कर रहा है यह ग्रह। भारत और भारतीय संगीत के लिए ईश्वर का आशीर्वाद है।

खेल कुंभ : 36 खेलों में 9800 खिलाड़ी 450 गोल्ड के लिए भिड़ेंगे

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, 38वें राष्ट्रीय खेलों का उत्तराखंड में रंगारंग आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| देहरादून

38वें नेशनल गेम्स का मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। राजीव गांधी स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्यों के खिलाड़ी के परेड ऑफ स्टेट्स में हिस्सा लिया। पीएम मोदी जैसे स्टेडियम में पहुंचे तो लोगों में खास उत्साह नजर आया।। स्टेडियम में मोदी मोदी के नारे गूंजे। वहीं, जय श्री राम के नारे भी लगे। प्रधानमंत्री ने गाड़ी में बैठकर मैदान के चारो ओर घूमकर दर्शकों का अभिवादन दिया। इस दौरान उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौजूदा रहे। समारोह में राज्य के अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन प्रधानमंत्री को मशाल सौंपा जिसके बाद एथलीट्स परेड की खेलों के शुभंकर मौली की अगुवाई में बैंड शुरू हुआ। सबसे पहले सैनिक स्कूल खोड़ा खाल का बैंड आया। परेड में सभी राज्यों के एथलीट्स शामिल हैं। जिसमें सबसे पहले अंडमान निकोबार, असम, बिहार, चंडीगढ़ की टीम रही। इसके बाद छत्तीसगढ़ का 294 दल आया।

- पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल और पवनदीप राजन ने बिखेरा सुरों का जादू
- छत्तीसगढ़ ने भी अपने 294 खिलाड़ियों का दल भेजा है

शिव तांडव नृत्य से कार्यक्रम की शुरुआत

शिव तांडव नृत्य से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उससे पहले मैं हिमालय हूं की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। हिमालय के वर्णन के बाद स्टेडियम के बीच बने हिमालय पर्वत पर लाइटिंग से शिव तांडव स्त्रोत हुआ। इस दौरान उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और परंपराओं की विशेष झलक देखने को मिली। साथ ही रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

ग्रीन गेम्स की थीम पर होंगे खेल

सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि 10 हजार से अधिक खिलाड़ी 35 खेलों में प्रतिभाग करेंगे। आयोजन में सौर ऊर्जा का प्रयोग होगा और प्लास्टिक का इस्तेमाल कम से कम होगा। ग्रीन गेम्स की थीम रहेगी। पीएम ने कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति हो, राम मंदिर हो, यूसीसी हो, जैसे कई संकल्प को पूरे करने का कार्य किया है। हम राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ प्रत्येक क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने पर काम कर रहे हैं।

खिलाड़ी मुझे प्रधानमंत्री नहीं परम मित्र मानते हैं

पीएम ने कहा- 'देवभूमि आज और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार की पूजा के साथ नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। ये उत्तराखंड का 25वां वर्ष है। इन गेम्स में देश के कोने-कोने से आए युवा अपना हुनर दिखाएंगे। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की तस्वीर दिख रही है। इस बार के नेशनल गेम्स एकता के ग्रीन गेम्स भी हैं। इनमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का उपयोग हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले हमारी खो-खो टीम ने वर्ल्ड कप जीता है। चेस में गुकेश सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए पूरा जोर लगा रहा है। उन्होंने कहा को खिलाड़ी मुझे प्रधानमंत्री नहीं परम मित्र मानते हैं।

ये राज्य ले रहे भाग

प्रदेश में होने जा रहे राष्ट्रीय खेलों में आंध्र प्रदेश से 294, अंडमान निकोबार से 28, अरुणाचल प्रदेश से 43, असम से 301, बिहार से 196, चंडीगढ़ से 205, छत्तीसगढ़ से 294, दादर एवं नगर हवेली से 13, दिल्ली से 633, गोवा से 172, गुजरात से 354, हरियाणा से 207, जम्मू कश्मीर से 47, झारखंड से 201, कर्नाटक से 681, केरल से 596, मध्य प्रदेश से 472, महाराष्ट्र से 882, मणिपुर से 347, मेघालय से 53, मिजोरम से 74, नागालैंड से 10, उड़ीसा से 423, पांडिचेरी से 56, पंजाब से 479, राजस्थान से 511, सिक्किम से 33, तमिलनाडु से 624, त्रिपुरा से 20, उत्तर प्रदेश से 393, पश्चिम बंगाल से 411, तेलंगाना से 282, लद्दाख से 7 सर्विस एन्ड स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड से 437 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

भारतीय महिला टीम तुर्किये में तीन मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम अगले महीने तुर्किये के अंताल्या में फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो के दौरान जॉर्डन, हांगकांग और रूस के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। मुख्य कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन के नेतृत्व में यह टीम वर्तमान में बेंगलुरु में अभ्यास कर रही है। टीम 19 फरवरी को जॉर्डन से भिड़ेगी, उसके बाद 22 फरवरी को हांगकांग से और 25 फरवरी को अंतिम मैत्री मैच में रूस का सामना करेगी। भारत की अंडर-20 महिला टीम को इस साल जुलाई में होने वाली सैफ अंडर-20 महिला चैंपियनशिप और अगस्त 2025 में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर (2026) जैसे अहम टूर्नामेंटों में खेलना है।

बैंकॉक में चुनौती पेश करेंगे तीन भारतीय मुक्केबाज

बेंगलुरू। तमिलनाडु के पेशेवर मुक्केबाज साबरी जयशंकर सात फरवरी को बैंकॉक में होने वाली अंतरराष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाजी स्पर्धा सुपर फाइटर सीरीज में हिस्सा लेंगे जहां मिजोरम से दो अन्य भारतीय मुक्केबाज लालडिनसांगा और वनलालवम्पुइया भी चुनौती पेश करेंगे। 'क्राउन बॉक्सिंग प्रमोशन्स' और 'ग्रासरूट बॉक्सिंग प्रमोशन्स' द्वारा आयोजित इन मुकाबलों में तीन भारतीयों के अलावा अमेरिका, फ्रांस, बेलारूस, यूक्रेन और थाईलैंड के अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज भी हिस्सा लेंगे। भारतीय दावेदार जयशंकर थाईलैंड के अनुभवी पेशेवर रत्ताकोर्न टेसावॉर्न के साथ मुकाबला करेंगे। तमिलनाडु का यह मुक्केबाज मौजूदा डब्ल्यूबीसी मिडिल ईस्ट और डब्ल्यूबीसी ऑस्ट्रेलेशिया चैंपियन हैं। डब्ल्यूबीसी युवा विश्व चैंपियन और पेशेवर मुक्केबाजी में उभरते सितारे लालडिनसांगा का सामना थाईलैंड के सरावुत जियामथोंग से होगा।

रॉयल्स की रिकॉर्ड जीत डीएसजी बाहर

पार्ल। पार्ल रॉयल्स ने एसए20 लीग में डरबन्स सुपर जाइंट्स (डीएसजी) को छह विकेट से हराकर घरेलू मैदान पर सभी पांच मैच जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया।

यह पहली बार है जब प्रतियोगिता के लीग चरण में कोई टीम घरेलू मैदान पर अजेय रही है। डीएसजी की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है क्योंकि पिछले सत्र की उप विजेता टीम अब प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकती। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे सुपर जाइंट्स ने 33 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 55) के नाबाद अर्धशतक और केन विलियमसन (45) के साथ उनकी 53 रन की साझेदारी की बदौलत टीम सात विकेट पर 143 रन बनाने में सफल रही। रॉयल्स की ओर से ब्योर्न फोरटुइन ने 20 जबकि क्वेन मफाका ने 22 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप का पहला शतक जड़ा तृषा ने

तृषा की शतकीय पारी से भारत ने स्कॉटलैंड को 150 रन से रौंदा

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

सलामी बल्लेबाज तृषा गोंगाडी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का पहला शतक जड़कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया जिससे भारत ने मंगलवार को यहां स्कॉटलैंड को 150 रन से करारी शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज तृषा ने 59 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और चार छक्के की मदद से 110 रन की पारी खेली।

'प्लेयर ऑफ द मैच' तृषा पहले विकेट के लिए कमालिनी जी (42 गेंद में 51 रन) के साथ 147 रन की साझेदारी करने के बाद सानिका चालके (20 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी की।

भारत ने 1 विकेट पर 208 रन बनाए

ग्रुप एक के इस मैच से पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय टीम ने 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 14 ओवर में 58 रन पर आउट कर दिया। भारतीय टीम अब 31 जनवरी को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेगी।

भारतीय गेंदबाजों ने नहीं दिया कोई मौका

स्कॉटलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज पिप्पा केली (12) और एम्मा वालसिंघम (12) शीर्ष स्कोरर रहीं। बायें हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला (आठ रन पर चार विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने स्कॉटलैंड को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वैष्णवी शर्मा ने पांच रन पर तीन विकेट लिये जबकि बल्ले से कमाल करने वाली तृषा ने छह रन देकर तीन बल्लेबाजों को चलता किया।

बांग्लादेश की इंडीज पर 10 विकेट से जीत

शानदार लय में चल रहीं तेलंगाना की 19 साल की तृषा ने इससे पहले दो मैचों से 40 से अधिक रन की पारी खेली है। ग्रुप के अन्य मैच में बांग्लादेश ने अपने अभियान का अंत सुपर सिक्स चरण में वेस्टइंडीज पर 10 विकेट की जीत के साथ किया। वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 54 रन पर रोकने के बाद बांग्लादेश ने जुएरिया फिरदौस के नाबाद 25 रन की मदद से 13 ओवर में जीत दर्ज की।

द. अफ्रीका पहले ही सेफा में पहुंच चुकी

इस जीत से टीम ग्रुप एक में तीसरे स्थान पर रही। ग्रुप दो में बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका का मैच शुरू हुए बिना रद्द हो गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इस मैच से एक अंक मिलने के बाद अमेरिका ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

क्रिकेट

बल्लेबाज फिर फ्लॉप, भारत को हरा इंग्लैंड की श्रृंखला में वापसी

एजेंसी ▶▶| राजकोट

अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत को मंगलवार को तीसरे टी-20 मैच में इंग्लैंड के हाथों 26 रन से पराजय का सामना करना पड़ा हालांकि पांच मैचों की श्रृंखला में मेजबान टीम अभी भी 2-1 से आगे है। जीत के लिये 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम नौ विकेट पर 145 रन ही बना सकी। हार्दिक पंड्या ने सर्वाधिक 40 रन बनाये लेकिन इसके लिये उन्होंने 35 गेंद खेल डाली। इंग्लैंड के लिये पावरप्ले में जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड प्रभावी रहे तो बीच के ओवरों में लेग स्पिनर आदिल रशीद ने दबाव बनाया। पहले दो मैच में आर्चर के सामने सहज होकर नहीं खेल सके संजू सैमसन छह गेंद में तीन रन बनाकर फिर इसी गेंदबाज का शिकार हुए। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 14 गेंद में 25 रन बनाये लेकिन ब्रायडन कार्स ने उन्हें पवेलियन भेजा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सात गेंद में 14 रन बनाये और वह वुड की गेंद पर गलत शॉट खेलकर एक बार फिर सस्ते में विकेट गंवा बैठे। फॉर्म में चल रहे तिलक वर्मा उस लय को कायम नहीं रख सके और रशीद की गेंद सीधे उनके स्टम्प पर लगी। इससे पहले मोहम्मद शमी ने 14 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी की लेकिन वरूण चक्रवर्ती ने फिरकी का जादू बिखेरते हुए पांच विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 171 रन पर रोक दिया। बेन डकेट (28 गेंद में 51 रन) के आक्रामक अर्धशतक के बाद इंग्लैंड की टीम ने लय खो दी और सपाट विकेट पर चक्रवर्ती ने उसे एक के बाद एक झटके दिये। एक समय इंग्लैंड का स्कोर एक विकेट पर 83 रन था जो आठ विकेट पर 127 रन हो गया। लियाम ने 24 गेंद में 43 रन बनाकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया।

ओवेन के रिकॉर्ड शतक से होबार्ट हरिकेन्स ने जीता बीबीएल खिताब

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

सलामी बल्लेबाज मिचेल ओवेन ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज शतक जड़ा जिससे होबार्ट हरिकेन्स ने मंगलवार को यहां फाइनल में सिंडनी थंडर को सात विकेट से हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियाई ट्वेंटी20 घरेलू खिताब जीता।

ओवेन ने 2014 में बनाए क्रेग सिमंस के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए 39 गेंद में शतक जड़ा। हरिकेन्स ने सिडनी थंडर के 183 रन के लक्ष्य का

पीछा करते हुए ओवेन की 42 गेंद में 11 छक्कों और छह चौकों से 108 रन की पारी की बदौलत 14.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 185 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। ओवेन के 11 छक्के बीबीएल फाइनल में नया रिकॉर्ड है। हरिकेन्स की ओर से मैथ्यू वेड ने भी 32 रन की नाबाद पारी खेली जबकि बेन मैकडर्मोट 18 रन बनाकर नाबाद रहे। सिडनी थंडर ने इससे पहले जेसन सांघा (67) और कप्तान डेविड वार्नर (48) के बीच पहले विकेट की 97 रन की तेजतर्रार साझेदारी से सात विकेट पर 182 रन का स्कोर खड़ा किया। नाथन एलिस के पारी के 11वें ओवर में वार्नर का विकेट गंवाने के बाद सिडनी की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही। एलिस ने 23 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि राइली मेरेडिथ ने भी 27 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

श्रीनिधि डेक्कन ने नामधारी के जीत अभियान को रोका

श्री मैनी साहिब (पंजाब)। श्रीनिधि डेक्कन ने आई-लीग फुटबॉल में मंगलवार को यहां तालिका में शीर्ष पर काबिज नामधारी एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। नामधारी एफसी की टीम लगातार चार जीत के साथ इस मैच में पहुंची थी लेकिन श्रीनिधि ने उनके विजयी अभियान को थाम दिया। मैच के दोनों गोल पहले हाफ में ब्राजील के खिलाड़ियों ने किये। क्लेडसन कार्वाल्हो दा सिल्वा (33वें मिनट) ने नामधारी के लिए सत्र का अपना सातवां आई-लीग गोल किया। विलियम अल्वेस (45वें मिनट) ने मध्यांतर से पहले गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। नामधारी एफसी की टीम 11 मैचों में 21 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है। श्रीनिधि डेक्कन 12 अंक के साथ आठवें पायदान पर है।

कोहली ने दिल्ली की टीम के साथ ट्रेनिंग की, लंच में 'कढ़ी-चावल' खाया

नई दिल्ली। विराट कोहली की काली पोर्श कार सुबह ठीक नौ बजे जब यहां फिरोजशाह कोटला मैदान के 'वीरेंद्र सहवाग गेट' से अंदर आई तो यह दिल्ली के इस स्टार बल्लेबाज के लिए घर वापसी जैसा था जो 12 साल से अधिक समय के बाद अपनी प्रथम श्रेणी टीम के साथ अभ्यास के लिए पहुंचे। तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को छोड़कर दिल्ली की टीम के अन्य सभी 18 सदस्यों ने उन्हें केवल टीवी पर देखा था और यह कहानियां सुनते हुए बड़े हुए थे कि कैसे 'चीकू' भारतीय क्रिकेट का 'किंग' बन गया। सोमवार को वह अपने घरेलू मैदान पर लगभग तीन घंटे तक रहे और उन्होंने अपने आसपास के सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अभ्यास सत्र के बाद जो खाया वह उनका पुराना पसंदीदा व्यंजन है। अधिकारी ने खुलासा किया, ''अभ्यास के बाद पुराने समय की तरह कढ़ी-चावल खाया सभी के साथ।''

करगिल के छोटे से गांव ट्रेस्पोन की 15 साल की खिलाड़ी है समीना

समीना ने आइस हॉकी में महिलाओं के हौसले को दिए पंख

एजेंसी ▶▶| करगिल

घर में बेकार पड़े स्कीइंग जूतों की एक जोड़ी की मदद से करगिल के छोटे से गांव ट्रेस्पोन की 15 साल की समीना खातून आइस हॉकी खेलने वाली अपने गांव की पहली महिला खिलाड़ी बन गयी। अपनी मां के कड़े विरोध के बाद भी समीना ने खुद को स्कीइंग जूतों को पहनने से नहीं रोका। खास तरह के इस जूते को समीना के चाचा ने उनके बड़े भाई को उपहार में दी थी लेकिन उसके भाई को स्कीइंग में कोई दिलचस्पी नहीं थी। इन जूतों हालांकि समीना के हौसले को पंख दिये और उसमें कम उम्र में ही खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों (केआईडब्ल्यूजी) 2025 में अपने हुनर का लोहा मनवाया।

अभी लंबा सफर तय करना है : सबीना

लद्दाख की टीम की इस सबसे कम उम्र की खिलाड़ी ने लेह में संपन्न खेलो में चिर प्रतिद्वंद्वी आईटीबीपी के खिलाफ स्वर्ण पदक मैच में गोल भी किया जिसे उनकी टीम ने 4-0 से अपने नाम किया। बेटी को प्रसिद्धि मिलने के बाद समीना की मां फातिमा बानो और पिता मोहम्मद यूनुस का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। समीना ने कहा, " मुझे खेलों में अभी लंबा सफर तय करना है।"

समीना नौवीं कक्षा की छात्रा है

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के आयोजन को दो चरणों में विभाजित किया गया है । इसका पहला चरण 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में हुआ जबकि दूसरा चरण 22 से 25 फरवरी तक गुलमर्ग में आयोजित होगा। करगिल के बारू स्थित मुताहारी पब्लिक स्कूल में नौवीं कक्षा की छात्रा समीना खेलों में नाम कमाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती थी।

सहपाठी भी प्रभावित

वह 10 वर्ष की उम्र से ही स्कूल और अभ्यास के बीच तालमेल बनाने के लिए संघर्ष करती रही । इस बीच वह हालांकि अपने माता-पिता की स्वीकृति हासिल करने में सफल रही। समीना के सहपाठी भी उसकी सफलता से प्रभावित है। वे उनकी स्कूल की छूटी हुई पढ़ाई पूरी करने में मदद करते हैं।

मौजूदा सत्र में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी

समीना की मेहनत रंग लाई और उसने लद्दाख की महिला आइस-हॉकी टीम में जगह बनाकर इन खेलों के मौजूदा सत्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गयी। वह इससे पहले करगिल के क्लबों के लिए खेलती रही है। उसने एलजी कप, सीईसी कप जैसे टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।

समीना टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई

समीना ने सीईसी कप 2024-25 में डाउनहिल कारगिल एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए छह गोल किए और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गयी। करगिल में स्थानीय समुदाय बिना किसी लैंगिक पूर्वाग्रह के नयी पीढ़ी के सपनों को पूरा करने की आजादी दे रहे हैं। महिलाओं को अब उनकी पसंद के पेशे को आगे बढ़ाने के लिए उनके परिवारों और समाज द्वारा बड़े पैमाने पर समर्थन और प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

पुरुष प्रधान खेल में लड़कियां आगे आई

इसमें जिला प्रशासन का भी अहम योगदान रहा है। करगिल के जिला युवा सेवा और खेल अधिकारी आबिद अली ने कहा कि उन्होंने हाल के वर्षों में इस सकारात्मक बदलाव को देखा है। यह प्रगति उस पहल का हिस्सा है जिसमें हम पुरुष प्रधान खेलों में लड़कियों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते है।

करगिल में छह महिला आइस हॉकी क्लब

करगिल जिले में छह महिला आइस हॉकी क्लब (कुकशो, चिकतन, बोदखारबू, मुलबेक, द्रास और कारगिल) हैं। महिलाओं को इस तरह के खेलों से जोड़ने के लिए खिलाड़ियों को रियायती दरों पर उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लद्दाख महिला आइस हॉकी फाउंडेशन की स्थापना 2016 में हुई थी।

नेमार से आपसी सहमति से समाप्त किया अनुबंध

रियो दि जिनेरियो। सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने कहा है कि उसकी स्ट्राइकर नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की।

कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने क्लब के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की। एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल-हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था।

महाकुंभ नगर बना दुनिया का सबसे बड़ा जिला

3.90 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी, आबादी के लिहाज से विश्व के सबसे बड़े शहर टोक्यो को पछाड़ा

एजेंसी ▸▸ महाकुंभ नगर (प्रयागराज)

महाकुंभ नगर एक बार फिर विश्व का सबसे बड़ा जिला बन गया। मंगलवार को प्रयागराज की आबादी साढ़े 4 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। शाम तक 3.90 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इसमें अगर जिले की आबादी करीब 70 लाख जोड़ ली जाए, तो प्रयागराज में एक दिन की संख्या 4.60 करोड़ रिकॉर्ड की गई। ऐसे में आबादी के लिहाज से विश्व के सबसे बड़े शहर टोक्यो को भी प्रयागराज ने पीछे छोड़ दिया। इससे पहले मकर संक्रांति पर भी 4.20 करोड़ लोगों के साथ प्रयागराज विश्व का सबसे बड़ा जिला बनने का रिकॉर्ड बना चुका है। 13 जनवरी से अब तक करीब 15 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

महाकुंभ नगर में पैर रखने तक की जगह नहीं है। सड़कें-गलियां सब खचाखच भरी हुई हैं। श्रद्धालुओं को पार्किंग या स्टेशन से संगम पैदल आना पड़ रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है। जिससे 20 किमी पैदल चलना पड़ रहा है। घाट तक पहुंचने में 5-6 घंटे लग रहे हैं। यात्री रेंगते हुए चल रहे हैं। कई जगह भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। संगम से 15 किमी तक के क्षेत्र में जाम लगा हुआ है। वहीं, मौनी अमावस्या पर करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की संभावना है।

सर्वसिद्धिप्रदः कुंभः
महाकुंभ 2025

महाकुंभ नगर में पैर रखने तक की जगह नहीं है। सड़कें-गलियां सब खचाखच भरी हुई हैं। श्रद्धालुओं को पार्किंग या स्टेशन से संगम पैदल आना पड़ रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है। जिससे 20 किमी पैदल चलना पड़ रहा है। घाट तक पहुंचने में 5-6 घंटे लग रहे हैं। यात्री रेंगते हुए चल रहे हैं

संगम से 15 किलोमीटर तक जाम सड़कें-गलियों में महाभीड़, मौनी अमावस्या के लिए परामर्श जारी

अब तक करीब 15 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके, मौनी अमावस्या पर करीब 10 करोड़ आएंगे

मेला क्षेत्र में पैदल और बाइक से आने की अपील, कार से नहीं आएं स्नान करके तुरंत घर को लौटें

कानपुर। कानपुर से मौनी अमावस्या पर महाकुंभ मेले में प्रयागराज स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं से खचाखच भरी ट्रेन।

आज 4 बजे अमृत स्नान ब्रह्म मुहूर्त

मौनी अमावस्या का अमृत स्नान ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजे से शुरू होगा। सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़े के नागा संन्यासी स्नान करेंगे। महानिर्वाणी अखाड़े के साथ श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा भी स्नान करेगा। सुबह 5:50 बजे निरंजनी अखाड़ा और आनंद अखाड़ा स्नान करेगा। सुबह 6:45 बजे जूना अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा और पंच अग्नि अखाड़ा स्नान करेगा। सुबह 9:25 बजे बैरागी अखाड़े स्नान करेंगे।

मेला क्षेत्र वाहन निषेध क्षेत्र घोषित

मेला प्रशासन ने मौनी अमावस्या पर करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ आने की संभावना को देखते हुए मेला क्षेत्र को 'नो व्हीकल' (वाहन निषेध) जोन घोषित कर दिया है और वीआईपी, पुलिस प्रशासन, दमकल और एंबुलेंस की गाड़ियों को छोड़कर किसी भी वाहन को मेला क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले भी डुबकी लगा रहेः योगी

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना तंज किया कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले लोग भी अब त्रिवेणी के महासंगम में डुबकी लगा रहे हैं।

महाकुंभ में विदेशी युवती ने 7 फेरे लिए

प्रयागराज महाकुंभ में ग्रीस की पेनेलोप और भारत के सिद्धार्थ शिव खन्ना ने शादी की। हिंदू रीति-रिवाज से दोनों ने सात फेरे लिए। साधु-संत बराती बने और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि ने कन्यादान दिया।

धीरेंद्र शास्त्री, आचार्य बालकृष्ण ने लगाई डुबकी

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मंगलवार को प्रयागराज में महाकुंभ में डुबकी लगाई। उन्होंने आयोजन पर खुशी जाहिर की। कहा कि यह क्षण दोबारा मिलने वाला नहीं है इसलिए सभी एक बार तो महाकुंभ में जरूर आना चाहिए। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने महाकुंभ में पहुंचने पर कहा- महाकुंभ सनातन के गौरव का पर्व है। सनातन के संगम का पर्व है।

9 और पांटून पुल खोले गए

मौनी अमावस्या से ठीक पहले प्रशासन ने पांटून पुल 13, 14, 17, 18, 19, 20, 21, 22 श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए खोल दिया गया है। संगम तट से स्नान करके अखाड़े की तरफ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक नंबर का पांटून पुल भी खोला गया।

मौनी अमावस्या पर प्रशासन की अपील, अलग लेन से जाएं

संगम घाट पहुंचने के लिए अलग-अलग लेन से ही जाएं। गंगा स्नान के लिए जाते समय अपनी लेन में बने रहें। आने वाले श्रद्धालु स्नान और दर्शन करने के बाद सीधे पार्किंग की ओर जाएं। मंदिरों में दर्शन के लिए जाते समय अपनी लेन में बने रहें, वहां से अपने गंतव्य के लिए जाएं। जरूरत पड़ने पर पुलिस का सहयोग लें। ट्रैफिक पुलिस भी आपकी मदद के लिए तत्पर है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर नजदीकी सेक्टर में बने हॉस्पिटल में जांच कराएं।

ये न करें

श्रद्धालु कहीं एक साथ एक स्थान पर न रुकें। आने और जाने वाले श्रद्धालु आमने-सामने न पड़ें। इधर-उधर न भटकें। मेले में किसी द्वारा फैलाई गई अफवाहों से बचें। सोशल मीडिया पर फैलाए गए किसी भी भ्रम को सच न मानें। मंदिरों में दर्शन के लिए हड़बड़ी न दिखाएं। होल्डिंग एरिया के बजाय रास्तों पर न रुकें, किसी तरह का अवरोध न उत्पन्न करें। व्यवस्था या सुविधा को लेकर किसी के बहकावे में न आएं। पवित्र स्नान के लिए जल्दबाजी न करें। प्लास्टिक की पन्नियों और बर्तनों का इस्तेमाल करने से बचें।

चंपत राय की अपील, 10 20 दिन अयोध्या न आएं

अयोध्या। महाकुंभ 2025 मेले को लेकर देश-विदेश से श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें से भक्तों की भीड़ काशी और अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन के लिए भी जा रही है। इसी वजह से राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख चंपत राय ने भक्तों के मांग की है कि भक्त अभी 10-20 दिन तक अयोध्या न आएं। उन्होंने कहा कि हमारा यह निवेदन है कि आस-पड़ोस के भक्त 15-20 दिन के पश्चात दर्शन करने हेतु अयोध्या आएं, जिससे दूर से आने वाले भक्त अभी सुविधा से प्रभु के दर्शन कर सकें। इससे सभी को सुविधा होगी।

चीन संग शुरू की गई कैलाश मानसरोवर यात्रा, हवाई उड़ान के निर्णय पर हरिभूमि से बातचीत में विशेषज्ञों ने दी प्रतिक्रिया

ट्रंप की बनाई अनिश्चितता में भारत का एक सधा हुआ नपातुला भू-राजनीतिक निर्णय

कविता जोशी ▸▸ नई दिल्ली

चीन के साथ पहले पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव को खत्म किया गया और उसके बाद करीब पांच साल से बंद पड़ी कैलाश मानसरोवर यात्रा और नई दिल्ली से बीजिंग तक सीधी उड़ान सेवाओं की शुरुआत का यह अर्थ कतई नहीं है कि इससे दोनों देशों के रिश्ते अब पूरी तरह से सामान्य हो गए हैं। बल्कि इसे एक ओर भारत द्वारा चीन के साथ रिश्ते सामान्य करने की दिशा में उठाया गया एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। वहीं, दूसरी ओर इसके पीछे अमेरिका के नवनियुक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वैश्विक स्तर पर और खासतौर पर चीन के साथ बना हुआ अनिश्चितता वाला मिश्रित रवैया बड़ी वजह बनकर उभरा है। जिसमें भारत को यह लग रहा है कि अगर ट्रंप ने भविष्य में रूस को अलग-थलग करने के लिए चीन को साथ में ले लिया तो कहीं भारत पीछे न रह जाए। हालांकि इन निर्णयों के साथ भारत को जमीनी स्तर पर चीन पर पैनी नजर बनाए रखने की आवश्यकता है। क्योंकि पूर्व में उसने हमेशा ही भारत की पीठ पर छुरा घोंपा है।

कूटनीति की भाषा में उठाया सांकेतिक कदमः डॉ. राव

मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-इडसा) में फैलो डॉ. स्वस्ति राव ने कहा कि भू-राजनीतिक नजरिए से भारत के यह निर्णय सांकेतिक हैं और इन्हें चीन के साथ नए रिश्तों की शुरुआत नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि ड्रैगन पर एकदम से भरोसा करने का कोई तुक नहीं है। उसने कई बार हमारी पीठ में छुरा घोंपा है। मैं, भारत के इस फैसले को एक सधा हुआ नपा तुला भू-राजनीतिक निर्णय मानती हूं। जिसके पीछे वर्तमान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनियाभर में बनाए जा रहे अनिश्चितता के माहौल का बहुत बड़ा हाथ है। इसमें भी वह चीन को लेकर एक तरफ कह रहे हैं कि उसे नियंत्रित करने के लिए ऊंचा टैरिफ लगाएंगे, पनामा नहर का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगे।

दूसरी तरफ अपने शपथ ग्रहण में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित करते हैं व उन्हें ग्रेट मैन कहकर संबोधित करते हैं। इससे साफ है कि ट्रंप का चीन को लेकर रवैया पूरी तरह से साफ नहीं है। ऐसे में भारत को यह डर सता रहा है कि कहीं अमेरिका रूस को सबक सिखाने के लिए चीन को अपने पाले में न मिला ले और उस स्थिति में भारत, चीन के एकतरफा पूर्ण विरोध के चक्कर में पीछे न छूट जाए। हम भी संतुलन के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

चीन को भारत का भरोसा जीतना पड़ेगाः कुलकर्णी

सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी संजय कुलकर्णी ने कहा कि दोनों देशों के बीच में हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा और हवाई उड़ान की शुरुआत को भारत-चीन के बीच संबंधों को सुधारने की दिशा में उठाया गया महज एक कदम मान सकते हैं। लेकिन चीन पर एकदम से भरोसा नहीं किया जा सकता है।

उसने भारत के साथ हमेशा जमीनी स्तर पर अप्रत्याशित व्यवहार किया है। ऐसे में आने वाले दिनों में जब इन निर्णयों का जमीनी क्रियान्वयन शुरू होगा तो हमें हर कदम फूंक-फूंक कर रखना पड़ेगा। ग्राउंड पर सच्चाई को परखते हुए ही आगे बढ़ना पड़ेगा। हां, इसमें कोई शक नहीं कि दोनों फैसलों से भारत-चीन के बीच पर्यटन, छात्रों की आवाजाही और निवेश बढ़ सकता है। इन सबके बीच अब चीन की यह जिम्मेदारी होगी कि वो भारत का भरोसा जीते। उन्होंने कहा कि इससे एलएसी के मामले पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वहां चीन के साथ डिसएंगेजमेंट को लेकर भारत की बातचीत चलती रहेगी। सेना एलएसी के समूचे भूभाग पर पूरी मुस्तैदी के साथ निगरानी बनाए रखेगी। क्योंकि हमारी थोड़ी सी ढिलाई बड़े नुकसान का कारण बन सकती है।

एक-दूसरे पर बंदूक तानकर नहीं रह सकतेः सज्जनहार

पूर्व राजदूत अशोक सज्जनहार ने कहा कि चीन के साथ रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में यह पूरी कवायद एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है। जिसका संबंध वर्ष 2020 के मध्य में एलएसी पर शुरू हुए विवाद से पहले की स्थिति से जुड़ा हुआ है। दोनों देश एशिया के बड़े देश और अर्थव्यवस्थाएं हैं। ऐसे में दोनों हमेशा एक-दूसरे पर बंदूक ताने नहीं रह सकते हैं। संबंधों को थोड़ा सा सामान्य बनाकर रखना पड़ेगा। जिसकी बानगी एक तरफ एलएसी पर तनाव घटने से हुई तो दूसरी ओर पवित्र यात्रा और हवाई यात्रा सेवा की बहाली से होगी। अब तक जो छात्र चीन नहीं जा पा रहे थे वो फिर से चीन जा सकेंगे। मेरा मानना है कि इस पूरी प्रक्रिया में हमें चीन के साथ धीरे-धीरे ही भरोसा कायम करके आगे कदम बढ़ाने होंगे। चीन पर एकदम से आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

इसरो प्रमुख ने 100वें मिशन की सफलता के लिए की पूजा-अर्चना

श्रीहरिकोटा। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने अपनी टीम के मंगलवार को तिरुमाला स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। यह प्रार्थना जीएसएलवी-एफ15/ एनवीएस-02 रॉकेट की सफलता के लिए की गई जिसे आज बुधवार सुबह 6:23 बजे श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। डॉ. नारायणन और उनकी टीम ने रॉकेट के एक मॉडल को भगवान के चरणों में रखा और विशेष पूजा की। वहीं डॉ. नारायणन ने तीसरे लॉन्च पैड के लिए 400 करोड़ रुपए आवंटित करने पर पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। कहा कि इस नए लॉन्च पैड से भारी रॉकेट्स को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। यह मिशन इसरो की 100वीं लॉन्च है और जीएसएलवी-एफ15/ एनवीएस-02 रॉकेट इसरो की 8वीं ऑपरेशनल उड़ान है।

मुंबई में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर बैन की तैयारी

महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ते प्रदूषण की वजह से मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो अगले 3 महीने में अपने सुझाव सौंपेगी। 22 जनवरी को जारी आदेश के अनुसार रिटायर्ड IAS अधिकारी सुधीर श्रीवास्तव कमेटी को लीड करेंगे। इसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, जॉइंट पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक, महानगर गैस लिमिटेड के MD, पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) के अध्यक्ष और जॉइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर सदस्य होंगे।

आदेश के मुताबिक यह कमेटी स्टडी के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट्स को भी पैनल में शामिल कर सकेगी। मुंबई महानगर (MMR) में पड़ोसी ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिले के क्षेत्र भी शामिल हैं। यानी डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध को लेकर इन इलाकों में भी स्टडी होगी।

दिल्ली समेत 3 राज्यों में डीजल वाहनों पर प्रतिबंध

दिल्ली, राजस्थान, और हरियाणा जैसे राज्यों में डीजल वाहनों पर रोक है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने दिल्ली में 10 साल पुरानी डीजल कार और 15 साल पुरानी पेट्रोल-CNG कार पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है।

भाजपा देश की सबसे अमीर पॉलिटिकल पार्टी

₹7 हजार करोड़ से ज्यादा का बैंक बैलेंस और कैश; यह कांग्रेस से करीब साढ़े 8 गुना ज्यादा

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारत की सबसे अमीर पॉलिटिकल पार्टी है। चुनाव आयोग को पार्टियों से मिले आंकड़ों के मुताबिक भाजपा के पास 7 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा (7113.80 करोड़ रुपए) का कैश और बैंक बैलेंस है।

वहीं, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास सिर्फ 857.15 करोड़ रुपए हैं। भाजपा के पास कांग्रेस से करीब साढ़े 8 गुना ज्यादा कैश और बैंक बैलेंस है।

आंकड़ों के मुताबिक भाजपा ने 2023-24 में लोकसभा चुनाव के दौरान करीब 1700 करोड़ रुपए खर्च किए थे। यह खर्च 2022-23 के खर्च से 60% ज्यादा है। उस साल पार्टी ने करीब 1000 करोड़ रुपए खर्च किए थे।

इसकी तुलना में कांग्रेस ने 2023-24 में लोकसभा चुनाव के दौरान करीब छह सौ करोड़ रुपए खर्च किए। यह 2022-23 के खर्च से करीब 3 गुना ज्यादा है। उस साल कांग्रेस ने करीब दो सौ करोड़ रुपए खर्च किए थे।

भाजपा को पिछले साल से 2 गुना चंदा मिला

भाजपा को पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 2 गुना चंदा मिला है। चुनाव आयोग को दिए सालाना ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के दौरान भाजपा को 1685.69 करोड़ रुपए का चंदा चुनावी बॉन्ड के जरिए मिला।

पिछले साल 2022-23 में यह राशि 1294.15 करोड़ रुपए थी। इस दौरान पार्टी को 2042.75 करोड़ रुपए की अन्य प्राप्तियां भी हुईं।

वहीं, पिछले साल यह 648.42 करोड़ रुपए थी।

वहीं, कांग्रेस को 2023-24 के दौरान कुल 1225.11 करोड़ रुपए का चंदा मिला। इसमें 828.36 करोड़ रुपए चुनावी बॉण्ड के जरिए मिले हैं। चुनावी बॉण्ड को अब सुप्रीम कोर्ट ने बैन कर दिया है।

भाजपा ने विज्ञापन पर खर्च किए करीब ₹600 करोड़

भाजपा ने इस साल 591 करोड़ रुपए विज्ञापनों पर खर्च किए। इसमें 434.84 करोड़ रुपए इलेक्ट्रॉनिक पर जबकि 115.62 करोड़ रुपए प्रिंटेड विज्ञापनों पर खर्च किए। चुनाव के दौरान पार्टी नेताओं के लिए हेलिकॉप्टर और प्लेन पर 2023-24 में 174 करोड़ रुपए खर्च हुए जबकि 2022-23 में यह 78.23 करोड़ रुपए था।

पार्टी ने इस साल अपने उम्मीदवारों को 191.06 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद की। वहीं, पिछले साल यह राशि 75.05 करोड़ रुपए थी।

भाजपा ने बैठकों पर 84.32 करोड़ रुपए; मोर्चा, रैली, आंदोलन और कॉल सेंटर 75.14 करोड़ रुपए खर्च किए।

भारत जोड़ो यात्रा 2.0 पर करीब ₹50 करोड़ खर्च

कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक एडवर्टीजमेंट पर 207.94 करोड़ रुपए और प्रिंटेड एडवर्टीजमेंट पर 43.73 करोड़ रुपए खर्च किए। प्लेन और हेलिकॉप्टर पर पार्टी ने 62.65 करोड़ रुपए जबकि अपने उम्मीदवारों की वित्तीय मदद में 238.55 करोड़ रुपए खर्च किए।

कांग्रेस ने प्रचार के लिए 28.03 करोड़ रुपए और सोशल मीडिया पर 79.78 करोड़ रुपए खर्च किए। पार्टी ने अपनी ऑडिट रिपोर्ट में बताया कि उसने 2023-24 के दौरान पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की दूसरी भारत जोड़ो यात्रा पर 49.63 करोड़ रुपए खर्च किए। पहली भारत जोड़ो यात्रा पर 71.84 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

भारत-इंडोनेशिया ने समुद्री सहयोग पर एमओयू तीन साल के लिए बढ़ाया

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षकबल के बीच हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में समुद्री सुरक्षा और सहयोग पर अपने समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अगले तीन साल तक के लिए आगे बढ़ाया है।

यह समझौता मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच सुरक्षित और सहयोगी समुद्री वातावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बैठक में भारत के तटरक्षकबल के महानिदेशक जनरल परमेश शिवमणि और इंडोनेशिया के तटरक्षकबल के प्रमुख वाइस एडमिरल इरवांस्याह अपने 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ शामिल हुए। दोनों पक्षों की यह चर्चा समुद्री खोज, बचाव, प्रदूषण प्रतिक्रिया और समुद्री कानून प्रवर्तन जैसे क्षेत्रों में परिचालन सहयोग को मजबूत बनाने पर केंद्रित थी। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए सर्वश्रेष्ठ विधियों को साझा करने, पेशेवर आदान-प्रदान को बनाए रखने पर जोर दिया गया। यहां बता दें कि इंडोनेशिया का यह दल बीते 24 से 28 जनवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर था। वहीं, भारतीय तटरक्षकबल का जहाज शौनक 27 से 30 जनवरी तक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में तैनात है।

मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में दावा

बांग्लादेश में हिंदुओं और अहमदिया समुदायों पर हमला कर रहे कट्टरपंथी

एजेंसी ▸▸ ढाका

ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में खुलासा किया है कि कट्टरपंथी इस्लाम को बढ़ावा देने वाले समूह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू और अहमदिया समुदायों पर हमला कर रहे हैं। रिपोर्ट में पिछले साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद देश में सुरक्षा बलों के दुरुपयोग के डिस्टर्बिंग पैटर्न का भी जिक्र किया गया है, जिसमें अवामी लीग के समर्थकों और पत्रकारों को निशाना बनाया गया है।

'मानसून क्रांति के बादः बांग्लादेश में सुरक्षा क्षेत्र में स्थायी सुधार के लिए एक रोडमैप' शीर्षक वाली 50 पन्नों की रिपोर्ट में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को कई सिफारिशें दी गई हैं, जिसमें स्थायी सुधार सुनिश्चित करने के लिए मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय और अन्य संयुक्त राष्ट्र अधिकार विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी सहायता, निगरानी और रिपोर्टिंग की मांग करना शामिल है। रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद से हिंदू अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों का उल्लेख किया गया है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय चिंता पैदा हुई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,